भास्कर 2/7/25 पेज 15

पूर्वानुमान • अधिकतम तापमान 32-36 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है

6 जुलाई तक ज्यादा बारिश की उम्मीद नहीं, 14 से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूरवा हवा चलने की जताई संभावना

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में 6 जुलाई तक अभी ज्यादा बारिश होने की उम्मीद नहीं है। फिलहाल तेज धूप और उमस वाली गर्मी से लोग परेशान होंगे। मौसम विभाग पूसा के वैज्ञानिक के अनुसार उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि कहीं-कहीं हलकी वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा सामान्य से कम होने की सम्भावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 32-36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। दूसरी ओर सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है। वहीं पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 14 से 16 कि.मी. प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है। मौसमीय वेधशाला पूसा के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.9 एवं 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्दता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 76 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.3 कि.मी. प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.9 मि.मी. तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.4 घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से.मी. की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.1 एवं दोपहर में 39.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कड़ी धूप में बचाव कर जाते लोग

नर्सरी गिराने का कार्य 10 तक संपन्न कर लें

उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर विगत पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा हुई है। जो किसान धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराए हो, नर्सरी गिराने का कार्य 10 जुलाई तक सम्पन्न कर लें। धान की अगात किस्में जैसे राजेंद्र नीलम, सरस्वती, शभागी, राजेंद्र स्वेता और प्रभात उत्तर बिहार के लिए अनुशासित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई के 800-1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई है। वहां ऊचाँस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन, सुर्या, सीओ-1 एवं पैराडेविक सूर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि बीएसएच-1, के बीएसएच-1, केबीएसएच-44 सूर्यमुखी की संकर प्रभेद है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 100 किवन्टल कम्पोस्ट, 30-40 किलो नेत्रजन, 80-90 किलो स्फुर एवं 40 किलो पोटाश का व्यवहार करें। बुआई के समय किसान 30-40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार कर सकते है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम तथा संकुल के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।

कभी धूप तो कभी बादल, मौसम का हर पल बदल रहा मिजाज

जागरण संवाददाता, समस्तीपुर : मौसम का मिजाज लगातार बदलता नजर आ रहा है। कभी तेज धूप लोगों को परेशान करती है तो कभी आसमान में अचानक बादल छा जाते हैं। इसी तरह की स्थिति मंगलवार को भी देखने को मिली, जब दिन में तेज धूप के बीच उमस बनी रही और शाम तक हल्के बादल नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम में ऐसे ही उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। इससे लोगों को परेशानी हो सकती है। चिकित्सक डा. संजीव कुमार ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। दिन में तेज धूप से डिहाइड्रेशन और लू लगने का खतरा रहता है, जबकि शाम के समय हल्की ठंडी हवा या बारिश से सर्दी-जुकाम की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में खूब पानी पिएं, हल्के और सूती कपड़े पहनें, बिना जरूरत धूप में बाहर निकलने से बचें और घर लौटने के बाद हाथ-पैर धोना न भूलें। बच्चों को धूप में खेलने से रोकें और ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम या फ्रिज का पानी न दें। फिलहाल जिले में बारिश की संभावना कम है, लेकिन आसमान में बादल और हवा की दिशा में बदलाव यह संकेत दे रहे हैं कि मौसम कभी भी करवट ले सकता है।

दिन में धूप से बचाव के लिए छाता का प्रयोग करती महिला • जागरण

उत्तर बिहार में अगले 72 घंटों तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना : संस, जागरण • पूसा : उत्तर बिहार में अगले तीन दिनों तक मौसम में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग के वैज्ञानिक डा. ए. सत्तार के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक क्षेत्र में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री के बीच रहने की उम्मीद है। वातावरण में नमी रहने और 14 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पूरवा हवा चलने की उम्मीद है।

विज्ञानियों ने बताया कि जो किसान अभी तक धान की नर्सरी नहीं गिरा सके हैं, वे 10 जुलाई तक यह कार्य पूर्ण कर लें। धान की अगात किस्मों जैसे राजेंद्र नीलम, सरस्वती, शभागी, राजेंद्र स्वेता और प्रभात की अनुशंसा की गई है। एक हेक्टेयर रोपाई के लिए 800 से 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिराने की सलाह दी गई है। जहां हल्की वर्षा हुई है, वहां ऊंची जमीन में सूर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन, सुर्या, सीओ-1, पैराडेविक आदि उन्नत संकुल प्रभेद और बीएसएच-1, केबीएसएच-1, केबीएसएच-44 संकर प्रभेद के रूप में सुझाए गए हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल कंपोस्ट, 30-40 किलो नाइट्रोजन, 80-90 किलो फास्फोरस, 40 किलो पोटाश और 30-40 किलो गंधक डालने की सलाह दी गई है। संकर किस्मों के लिए 5 किलो और संकुल के लिए 8 किलो प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है।

अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करते समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नाइट्रोजन, 45 किलो फास्फोरस, 20 किलो पोटाश और 20 किलो गंधक डालने की सलाह दी गई है। बहार, पूसा 9, नरेन्द्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 जैसी किस्मों की बुआई अनुशंसित की गई है। बीज की मात्रा 18-20 किलो प्रति हेक्टेयर रखी जाए। बीज को बोने से 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। बुआई से ठीक पहले राइजोबियम कल्चर से भी उपचारित करना चाहिए।

जो किसान अब तक खरीफ प्याज की नर्सरी नहीं गिरा सके हैं, उन्हें शीघ्र ही उथली क्यारियों में नर्सरी गिरा लेने की सलाह दी है। जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। एन-53, एग्रीफाउंड डार्क रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर जैसी किस्मों की अनुशंसा की गई है। बीज को कैप्टन या थीरम दवा (2 ग्राम प्रति किलो बीज) से उपचारित करें।

पौधशाला को तेज धूप और बारिश से बचाने हेतु 40 प्रतिशत छायादार नेट से ढंकने की सलाह दी है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण और कीट-व्याधियों की निगरानी भी आवश्यक है। आगे उन्होंने कहा कि लीची के बागानों में फल तोड़ाई के बाद सफाई करें और पेड़ों की उम्र के अनुसार अनुशंसित उर्वरकों का प्रयोग करें, जिससे अगले वर्ष फलन में सुधार हो सके। वहीं पशु चारा के रूप में ज्वार, बाजरा और मक्का के साथ मेथी, लोबिया और राइस बीन की बुआई करने को कहा है। सब्जी की खेती के लिए ऊंची जमीन में भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला और खीरा जैसी बरसाती सब्जियों की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसलों में कीट और रोगों की नियमित निगरानी बनाए रखें।

हिन्दुस्तान 2/7/25 पेज 2

'आम का सेवन दिल को रखता है स्वस्थ'

- रोग प्रतिरोधक क्षमता में आम से बढ़ोतरी होती है
- मधुमेह रोगी सीमित मात्रा में ही आम का सेवन करें

पूसा,निज संवाददाता। फलो का राजा आम काफी गुणकारी है।यह स्वाद के साथ पोषक तत्वों से भरपूर है। जो शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के सस्य वैज्ञानिक डॉ.देवेन्द्र सिंह ने कहा कि मानव स्वास्थ्य में आम का काफी महत्व है। इसमें पोषक तत्व, कैलोरी, कार्बोहाईड्रेट, फाईबर, प्रोटीन, बीटामिन सी, बिटामिन, पोटैशियम, बीटामिन बी-9 भरपूर मात्रा में होती है।

जिसका सीधा असर सेवन करने वाले व्यक्ति के शरीर पर दिखता है। उन्होंने कहा एक पके आम में 100 ग्राम तक पोषक तत्व पाये जाते है।इसी तरह करीब 60 किलो कैलरी, 15 ग्राम कार्बोहाईड्रेट, 1.6 ग्राम फाईबर, 0.8 ग्राम प्रोटीन, 36.4 मिग्रा, बिटामिन-54 माईक्रोग्राम, 168 मिमी पोटैशियम, विटाामिन-बी9 मिलीग्राम पाई जाती है। उन्होंन कहा इसके सेवन से रोग

प्रतिरोधक झमता में बढ़ोतरी होती है। यह आंखो के लिए भी लाभकारी होता है। वैज्ञानिक के अनुसार इसमें बीटा-कैरोटीन, ल्यूटिन, और ज़ेक्सैथिन होते हैं, जो दृष्टि को बेहतर करने के साथ रतौंधी जैसी समस्या से दूर रखता है। इसमें पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट होने से रक्तचाप को नियंत्रित रखने के साथ दिल को स्वस्थ रखता हैं। पाचन एंजाइम होने से भोजन को पचाने में मदद करता हैं। साथ ही, इसमें मौजूद फाईबर कब्ज को रोकता है। इसमें उपलब्ध बिटामिन के कारण त्वचा चमकदार एवं बाल मजबूत होता है। मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बेहतर और यादाश्यत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि इसमें मैंगीफेरिन नामक यौगिक होता है।जो शरीर में सूजन को कम करने के साथ कैंसर जैसे रोगों से बचाता है। वैज्ञानिक ने मधुमेह रोगियों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि इसमें प्राकृतिक शर्करा अधिक होती है। ऐसे में मधुमेह रोगियों को सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करना चाहिए।

हिन्दुस्तान 2/7/25 पेज 2

कुछ स्थानों पर हो सकती है हल्की वर्षा

पूसा। उत्तर बिहार के जिलों में अगले चार दिनों तक कही कही हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा सामान्य से कम होने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने मंगलवार को 6 जुलाई तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में औसतन 14 से 16 किमी प्रति घंटा की गति से पुरवा हवा चल सकती है। इस दौरान सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 एवं दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री हो सकती है।

प्रभात खबर 2/7/25 पेज 5

2 से 06 जुलाई तक कहीं-कहीं होगी हल्की बारिश, किसानों को मिल सकती है राहत

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केन्द्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 02 से 06 जुलाई 2025 तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है. कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है. पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा सामान्य से कम होने की संभावना है.इस अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है. जबकि न्यूनतम तापमान22-24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. सापेक्ष आद्रर्ता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है. पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 14 से 16 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है. आज का अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा.

मौजूदा समय में किसान प्राथमिकिता के साथ शुरू करें धान की नर्सरी को लगाने का कार्य : कृषि वैज्ञानिक

समस्तीपुर कार्यालय। बिहार में मॉनसून का प्रवेश हो चुका है और जल्द ही यह बेहतर ढंग से सक्रिय भी हो जाएगा। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष भी बारिश होने के काफी अच्छे आसार है। बिहार के किसान धान की खेती को सफल तरीके से करने के लिए अब खेतों की जुताई करवाने के साथ-साथ धान की नर्सरी लगाने का काम भी प्राथमिकिता के साथ शुरू करें। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय .षि विवि पूसा के धान वैज्ञानिक डॉ. एनके सिंह ने दी है। रा० सहारा -2/7/2019-5

जुलाई के महीने में मिर्च की खेती को वैज्ञानिक ढंग से करके किसान प्राप्त कर सकते हैं उच्चस्तरीय उत्पादन और आय दोनों : कृषि वैज्ञानिक

समस्तीपुर कार्यालय । बिहार के किसान नगदी फसल के रूप में विख्यात मिर्च की खेती को जून-जुलाई महीने में वैज्ञानिक विधि से करके अत्यधिक उत्पादन और मुनाफा दोनों प्राप्त कर सकते है। मिर्च की खेती की ओर किसानों के बढ़ते रुझान के कारण मिर्च की खेती और निर्यात के मामले में भारत वि व में पहले स्थान पर है। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय .षि विवि पूसा के अधीनस्थ .षि विज्ञान केंद्र बिरौली के बरीय वैज्ञानिक सह हेड डॉ. आरके तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि जून का महीना समाप्ति पर है। जुलाई के अंत तक जो किसान बरसाती मिर्च की खेती करना चाहते है वे अविलंब मिर्च की नर्सरी लगा दें। उन्होंने बताया कि मिर्च फसल की अच्छी पैदावार और वृद्धि के लिए उष्णीय और उप-उष्णीय जलवायु तथा अच्छी जल निकास वाली जीवांश युक्त दोमट मिट्टी काफी उपयुक्त मानी जाती है। .षि वैज्ञानिक ने कहा कि किसान मिर्च के बीजों की बुआई करने के लिए नर्सरी के क्यारियों को तैयार कर उसमें मिर्च के बीज को एक इंच की दूरी पर सीधे सीधे पंक्तियों में बुआई कर दें तथा उसे मिट्टी से ढक दें। बुआई करने के बाद किसान इन क्यारियों को खरपतवार या पुआल आदि से ढक दें तथा शाम या अहले सुबह उसे क्यारियों से हटा भी दें। उन्होंने बताया कि किसान बुआई से पूर्व बीजों को थीरम या कैप्टान नामक दवाइयों से उपचारित कर ले तथा उसके बाद ही बुआई करें। उन्होंने बताया कि एक हेक्टेयर मिर्च की खेती करने के लिए किसानों को 1 से 1.5 किलोग्राम मिर्च के बीज की बुआई करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि बुआई करने के 30 से 35 दिन बाद मिर्च के पौधें खेतो में रोपने लायक हो जाते है। .षि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान मिर्च लगाने से पूर्व खेतों की तैयारियों पर निश्चित रूप से विशेष ध्यान दें। किसान प्रति हेक्टेयर की दर से अपने खेतों में ढ़ाई से तीन क्विंटल गोबर या वर्मी कम्पोस्ट, सौ से एक सौ दस किलोग्राम नाइट्रोजन, पचास किलोग्राम फास्फोरस एवं साठ किलोग्राम पोटाश जैसे उर्वरक का इस्तेमाल कर खेत की जुताई अच्छे से करके उसे तैयार कर लें। किसान नाइट्रोजन उर्वरक की आधी मात्रा रोपाई से पूर्व खेत की तैयारी में तथा आधी मात्रा दो बार क्रमशः रोपाई के 40 से 50 दिन बाद एवं 80 से 120 दिन बाद छिड़काव के रूप में करें। उन्होंने बताया कि किसान मिर्च में 10 से 15 दिन के अंतराल पर व आवश्यकता के अनुसार सिंचाई भी करते रहें। .षि वैज्ञानिक ने बताया कि मीर्च की खेती में ज्यादातर थ्रिप्स, लाही, सफेद मक्खी, डायबैक रोग, उखड़ा रोग आदि जैसे कीटों का प्रकोप ज्यादातर देखने को मिलता है। किसान केवीके के वैज्ञानिकों और विवि के किसान कॉल सेंटर में कॉल करके इन कीटों के प्रबंधन के बारे में आसानी से जानकारी ले सकते है। .षि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान मिर्च के प्रभेद पूसा ज्वाला, कल्याणपुर चमन, चमत्कार, सिंदूर, आंध्र ज्योति, भाग्य लक्ष्मी, जे 218, पंजाब लाल, पूसा सदाबहार आदि कई तरह किस्मों की खेती कर उच्च स्तरीय उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

भास्कर 12/7/25 पेज 17

मानसून पड़ा कमजोर, 16 जुलाई तक अच्छी बारिश होने की सम्भावना नहीं

17 जुलाई को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है

सिटीरिपोर्टर | समस्तीपुर

अधिकांश जिलों में हल्की-हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। अच्छी वर्षा होने की सम्भावना नहीं है। हालांकि 17 जुलाई के आसपास अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। वहीं सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है। दूसरी ओर पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 20 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है। पूर्वानुमानित मौसम में भी अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। मौसम को देखते हुए धान के बदले ऊंचास जगह में सूर्यमुखी, मक्का, तिल, आदि फसल की बुआई करे। धान की अगात किस्में जैसे राजेंद्र नीलम, सरस्वती, शभागी, राजेंद्र स्वेता और प्रभात उत्तर बिहार के लिए अनुशासित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई के लिए 800-1000 वर्ग मीटर में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौडाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलो मिलाकर बीजोपचार करें।

दैनिक जागरण 12/7/25 पेज 5

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 14 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में बारिश के कमजोर रहने का अनुमान है। पूर्वी व पश्चिमी चंपारण जिलों में कहीं-कहीं व अन्य जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञानी डा. ए सतार का कहना है कि पूर्वनुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
12 जुलाई	32.0	26.0
13 जुलाई	33.0	26.0
	दरभंगा	
12 जुलाई	33.0	26.0
13 जुलाई	33.0	27.0
	पटना	
12 जुलाई	35.0	28.0
13 जुलाई	35.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

मानसून हुआ कमजोर, 16 के बाद हल्की बारिश के आसार

उत्तर बिहार में वर्षा के अनुपात में आई कमी, किसान चिंतित

संस, जागरण, पूसा : उत्तर बिहार में मानसून रेखा कमजोर होने के कारण वर्षा के अनुपात में काफी कमी आई है। मानसून रेखा जब बिहार के बाहर दक्षिण की ओर चली जाती है तो वर्षा होने की संभावना कम होती है। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का बताना है कि 16 जुलाई से उत्तर बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के द्वारा चार दिनों के पूर्वानुमान अवधि के बारे में बताया गया है कि अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। 2 से 20 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पूरबा हवा चलेगी।

समसामयिक सुझाव : पूर्वानुमानित मौसम में भी अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। कमजोर मौसम को देखते हुए

धान के बदले उचास जगह में सूर्यमुखी, मक्का, तिल, आदि फसल की बुआई करना श्रेयस्कर है। धान की अगात किस्में जैसे-राजेंद्र नीलम, सरस्वती, शभागी, राजेंद्र स्वेता व प्रभात उ.बिहार के लिए अनुशंसित है।

पूर्वानुमानित मौसम गन्ना की फसल में शीर्ष गलन रोग के प्रकोप के लिए अनुकूल रहेगा। अतः इस रोग के लक्षण दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 50 डब्लूपी 400 ग्राम दवा, 400 लीटर पानी में अथवा कापर आक्सीक्लोराइड 50 डब्लूपी 400 ग्राम दवा 400 लीटर पानी में प्रति एकड़ की दर से घोल बनाकर 15 दिनो के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।

खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र शंकर मक्का-3, गंगा-11 किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद, 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। उचास जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर,20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेंद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है।

कृषि विवि का चौथा दीक्षांत समारोह 17 को

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि का चौथा दीक्षांत समारोह 17 जुलाई को होगा। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान होंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व रामनाथ ठाकुर, एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट होंगे। समारोह की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति डॉ. प्रेम लाल गौतम करेंगे।

समारोह को लेकर तैयारी जोरों पर है। कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय स्वयं कार्यों की मोनेटरिंग कर रहे हैं। समारोह को सफल बनाने के लिए कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार समेत विवि की पूरी टीम जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार दीक्षांत समारोह में यूजी, पीजी एवं पीएचडी के सैंकड़ों छात्रों को डिग्री मिलेगी। वहीं इस दौरान विवि परिसर में नवनिर्मित इन्टरनेशनल गेस्ट हाउस एवं छात्रों के 400 बेड के छात्रावास का उद्घाटन मंत्री करेंगे। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारी करते कर्मी।

Hindustan 12-07-2025

प्रभात खबर 12/7/25 पेज 3

16 जुलाई तक अच्छी बारिश के आसार नहीं, हो सकती बूंदाबांदी

प्रतिनिधि,समस्तीपुर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केन्द्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 12 से 16 जुलाई 2025 तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में अधिकांश जिलों में हल्की वर्षा होने की संभावना है. अच्छी वर्षा होने की संभावना नहीं है. हालांकि 16 जुलाई के आसपास अनेक स्थानों पर बूंदाबांदी व हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है. इस अवधि में अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है. न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है. पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 20 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है. आज का अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस कम रहा.

राष्ट्रीय सहारा 12/7/25 पेज 5

उमस के बीच हल्की बारिश की संभावना, अच्छी बारिश के फिलहाल आसार नहीं

समस्तीपुर (एसएनबी)। अगामी 5 दिनों में हल्की बारिश गर्मी और उमस राहत दिला सकते है। मगर अधिक वर्षा की आस लगाये किसानों को निराशा हाथ लगने की संभावना है। इस बाबत जिले के पूसा स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, एवं भारत गौराग विज्ञान विभाग के राहयोग से जलवायू परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र द्वारा जारी अगामी 16 जुलाई, 2025 तक के गौराग पूर्वानुमान के अनुसार, पूर्वानुमानित अवधि में अधिकांश जिलों में हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। अच्छी वर्षा होने की सम्भावना नहीं है। हलाकि 16 जुलाई के आसपास अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इस अवधि में अधिकत्तम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।

दैनिक जागरण 13/7/25

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 14 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में बारिश के कमजोर रहने का अनुमान है। पूर्वी व पश्चिमी चंपारण जिलों में कहीं-कहीं व अन्य जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
13 जुलाई	32.0	26.0
14 जुलाई	33.0	26.0
	दरभंगा	
13 जुलाई	33.0	26.0
14 जुलाई	33.0	27.0
	पटना	
13 जुलाई	35.0	28.0
14 जुलाई	35.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

दैनिक जागरण 13/7/25 पेज 5

अगले चार दिनों तक बारिश की संभावना नहीं, किसान चिंतित

जागरण संवाददाता, समस्तीपुर : जिले में एक बार फिर तेज धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बीते कुछ दिनों तक धूप और छांव के बीच मौसम में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा था, शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली और तेज धूप का सिलसिला शुरू हो गया। शनिवार को भी सुबह होते ही सूर्य की तीखी किरणों ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया, जिससे दिन चढ़ने के साथ गर्मी का प्रकोप और बढ़ता गया। गर्मी के कारण आमजन और राहगीरों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर दोपहर के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया। वहीं तेज धूप के चलते बाजारों में भी चहल-पहल अपेक्षाकृत कम रही। इस संबंध में डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए. सत्तार ने बताया कि आने वाले कुछ दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई से उत्तर बिहार के कई हिस्सों में हल्की वर्षा होने की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है और लोगों को राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि कहीं कहीं आंशिक बादल छाए रहेंगे।

दैनिक भास्कर - 14/7/8-17

खेत-किसानी • किसान ऊंचे बेड पर अरहर की बुआई कर 25 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं उपज, वैज्ञानिकों ने दी सलाह

अरहर की अगात किस्मों से होगी अधिक उपज

भास्कर न्यूज|पूसा

मौजूदा समय अरहर की बुआई के लिए उपयुक्त है। बिहार के किसान अरहर से ज्यादा उत्पादन प्राप्त करने के लिए खेतों में ऊंचे बेड पर वैज्ञानिक तकनीक से अरहर की बुआई कर 25 प्रतिशत तक अरहर का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। इतना ही नहीं किसान अरहर की आगात किस्मों को लगाकर प्रति हेक्टेयर 16 से 20 क्विंटल तक अरहर का उत्पादन भी प्राप्त कर सकते हैं। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड सह वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ.आर के तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि अरहर भारत की एक प्रमुख दलहनी फसल है। भारत में इसकी खेती लगभग 35 लाख हेक्टेयर में होती है। यह बिहार एवं उत्तर प्रदेश की एक बहुप्रचलित एवं लोकप्रिय दलहनी फसल है। इसकी खेती इन दोनों राज्यों के प्रायः सभी जिलों में की जाती है। उन्होंने कहा कि गंगा के मैदानी क्षेत्रो में धान और गेहूं के साथ फसल चक्र के माध्यम से अरहर उत्पादन करने का एक विशेष महत्व है। प्रायः अरहर को असिंचित क्षेत्रों मे उगाया जाता है क्योंकि इसका पौधा गहरी जड़ों द्वारा जमीन के निचली सतह से पानी का उपयोग कर सकता है। बिहार में धान-गेहूं प्रमुख फसल चक्र है लेकिन लगातार इस फसल चक्र को अपनाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति में कमी आने लगती हैं। अतः किसान अपने खेतों में केवल अरहर या फसल चक्र के माध्यम से गेहूं के बाद अरहर की खेती कर बेहतर उत्पादन और लाभ के साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति को भी मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि अरहर की खेती के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता में वृद्धि न होने का प्रमुख कारण अरहर की फसल में रोग एवं कीटों का लगना है। रोग एवं कीटों के प्रकोप से अरहर उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो जाता है। किसान उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग, समय पर बुआई, समेकित कीट रोग प्रबंधन आदि जैसे उपायों को अपनाकर अरहर की खेती से बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि हल्की दोमट एवं अच्छी जल निकास वाली ऊपरी भूमि जिसका पी.एच 5 से 8 के बीच हो अरहर की खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

वैज्ञानिक विधि से बेड पर की गई अरहर की बुआई।

कृषि वैज्ञानिक से अनुशंसित प्रजातियों का ही प्रयोग करें, 265 दिनों में तैयार होगी फसल

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान अरहर की खेती में अनुशंसित प्रजातियों का ही प्रयोग करें। अनुशंसित प्रजातियों में पहला बहार प्रजाति है। यह प्रजाति 260 से 265 दिनों में तैयार हो जाती हैं। दूसरा नरेन्द्र अरहर 1 और 2 हैं। यह दोनों प्रजाति 265 से 275दिनों में तैयार होने वाली प्रजाति है। तीसरा पूसा 9 हैं। यह प्रजाति 250 से 260दिनों में तैयार हो जाती हैं। इसके अलावे राजेन्द्र अरहर 1 एवं 2 यह प्रजाति 265 से 275 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। अरहर की ऐसी दर्जनों प्रजातियां है जिसे किसान लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अरहर की बुआई ऐसे तो जुलाई के पूरे महीने में की जा सकती हैं। परंतु किसान 25 अगस्त से 15 सितंबर तक भी अरहर की बुआई कर अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान अरहर की खेती को वैज्ञानिक विधि से करके अरहर के अगेती किस्मों से 16 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और पछेती किस्मों से 25 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज की प्राप्ति कर सकते है। उन्होंने बीज की मात्रा, बीजोपचार एवं अरहर की बुआई के विधि को बताते हुए कहा कि अरहर की बुआई 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से करनी चाहिए।

अरहर की खेती में निर्धारित मात्रा में करें खाद का प्रयोग

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान एक हेक्टेयर अरहर की खेती करने के लिए खेतो में 20 किलो नत्रजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 100 किलोग्राम डी.ए.पी तथा 40 कि.ग्रा.पोटाश का इस्तेमाल कर सकते हैं। किसान इन उर्वरकों का इस्तेमाल खेतों में मिट्टी की जांच कराने के बाद प्राप्त हुए रिजल्ट के अनुसार ही मात्रा में करें। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में जिंक एवं सल्फर की कमी हो वहां के किसान बुआई के समय 25 किलोग्राम जिंक एवं सल्फेट का प्रयोग प्रति हेक्टेयर के अनुसार कर सकते हैं।

दैनिक भास्कर - 14/3/25 P - 17

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में 17 जुलाई को होगा दीक्षांत समारोह

तैयारी शुरू : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी समेत कई दिग्गज कार्यक्रम में करेंगे शिरकत, मिलेगा गोल्ड मेडल

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा में दीक्षांत समारोह आगामी 17 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण भागीरथ चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण राम नाथ ठाकुर, बिहार के उपमुख्यमंत्री एव कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा आदि शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने के बाद से विश्वविद्यालय में यह चौथा दीक्षांत समारोह होगा। दीक्षांत समारोह के दौरान शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कई छात्रों को गोल्ड मेडल भी प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सभी संकाय में पीएचडी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम छात्र को विजिटर मेडल, पीजी में सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को चांसलर मेडल और स्नातक के सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने छात्र को वाइस चांसलर मेडल प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न संकायों में डिग्रियों में स्रवश्रेष्ठ सीजीपीए प्राप्त करने वाले 14 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। इस दीक्षांत समारोह में 2023 से दिसंबर 2024 तक परीक्षा पास करने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी।

अतिथियों के स्वागत व सम्मान के लिए बनाया गया पाग।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा में चल रही तैयारी।

कुलपति डॉ. पी एस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण समारोह होता है। इस दिन छात्रों को उपाधियां दी जाती है और इस आशा के साथ उन्हें समाज को समर्पित किया जाता है कि वे देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों ने पिछले दो वर्षों में अपने प्रदर्शन से देश में विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाया हैं। नेट गेट और जेआरएफ की परीक्षा में लगभग हर वर्ष सौ से अधिक छात्रों ने सफलता अर्जित की है। विश्वप्रसिद्ध इरेस्मस मुंडस फेलोशिप अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्र केंद्रित निर्णय ले रहा है जिसके परिणाम अब दिखाई दे रहे है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को लर्न, अर्न और रिटर्न के लिए प्रेरित करता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने दीक्षांत समारोह में मिथिला की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में शामिल सभी अतिथि मिथिला के प्रसिद्ध पाग को धारण करेंगे जिसे विशेष रूप से भागलपुर के सिल्क फाईबर से बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पाग को मधुबनी पेंटिंग से सजाया गया है जो उसके सौंदर्य को और चार चांद लगायेगा। दीक्षांत समारोह में अंग्रेजी वेशभूषा नहीं धारण की जायेगी। इसके अतिरिक्त दीक्षांत समारोह के दौरान दिये जाने वाले वाइस चांसलर लंच में भी मिथिला और बिहार के व्यंजन पडोसे जायेंगे। कुलसचिव डॉ.मृत्युजय कुमार ने कहा कि इस दीक्षांत समारोह में लगभग आठ सौ छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी। अभी तक तीन सौ पचास से अधिक छात्रों ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर उपाधि ग्रहण करने के लिए अप्लाई किया है। कई छात्रों को इन एबसेंसिया भी डिग्री प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदेशी छात्रों के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस और चार सौ बेड वाले एक अन्य हास्टल का उद्घाटन करेंगे। ये सभी हास्टल स्टेट आफ द आर्ट फैसिलिटी से लैस हैं। विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को लेकर अठारह कमिटियां बनाई गई है जो विभिन्न क्षेत्रों में तैयारियों की देख रेख करेंगी।

दैनिक जागरण - 14/7/25 P-4

दीक्षांत में मिथिला का पाग पहनेंगे अतिथि

संस, जागरण • पूसा : डा. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में दीक्षा समारोह 17 जुलाई को होगा। इसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं रामनाथ ठाकुर तथा बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने के बाद विश्वविद्यालय का यह चौथा दीक्षांत समारोह है। दीक्षांत समारोह के दौरान कई गोल्ड मेडल भी दिया जाएगा। सभी संकाय में पीएचडी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम छात्र को विजिटर मेडल, पीजी में सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को चांसलर मेडल और स्नातक के सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने छात्र को वाइस चांसलर मेडल प्रदान किया जाएगा। विभिन्न संकायों में डिग्रियों में सर्वश्रेष्ठ सीजीपीए प्राप्त करने वाले 14 छात्रों को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। 2023 से दिसंबर 2024 तक परीक्षा पास करने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी। कुलपति डा. पी एस पांडेय ने कहा कि बताया कि अतिथि मिथिला के प्रसिद्ध पाग को धारण करेंगे। इसे विशेष रूप से भागलपुर के सिल्क फाइबर से बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पाग को मधुबनी पेंटिंग से सजाया गया है। दीक्षा समारोह में अंग्रेजी वेशभूषा नहीं धारण की जाएगी। लंच में भी मिथिला और बिहार के व्यंजन पडोसे जाएंगे। कुलसचिव डा. मृत्युंजय कुमार ने कहा कि इस दीक्षा समारोह में लगभग आठ सौ छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदेशी छात्रों के लिए बनाए गए अंतराष्ट्रीय गेस्ट हाउस और चार सौ बेड वाले एक अन्य हास्टल का भी उद्घाटन करेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन • जागरण

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 16 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में बारिश के कमजोर रहने का अनुमान है। पूर्वी व पश्चिमी चंपारण जिलों में कहीं-कहीं व अन्य जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
14 जुलाई	37.0	28.0
15 जुलाई	37.0	27.0
	दरभंगा	
14 जुलाई	37.0	28.0
15 जुलाई	37.0	28.0
	पटना	
14 जुलाई	39.0	29.0
15 जुलाई	38.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

हिन्दुस्तान 15/7/25 पेज 6

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि में 17 को प्रस्तावित समारोह को लेकर तैयारी जोरों पर

भागलपुरी सिल्क से बनी व मधुबनी पेंटिंग से सजी पाग पहनेंगे अतिथि

दीक्षांत समारोह

14 छात्रों को मिलेगा गोल्ड मेडल, 800 से अधिक छात्रों को मिलेगी डिग्री

- विजिटर मेडल, चांसलर मेडल और वाइस चांसलर मेडल से नवाजे जाएंगे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र

कृषि विवि के दीक्षांत समारोह को लेकर तैयार पाग।

पूसा, निसं। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि में 17 जुलाई को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह को लेकर तैयारी जोरों पर है। समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं राम नाथ ठाकुर के अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा शामिल होंगे। केंद्रीय दर्जा मिलने के बाद विवि का यह चौथा दीक्षांत समारोह है। समारोह के दौरान कई गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा।

विवि के सभी संकाय में पीएचडी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम छात्र को विजिटर मेडल, पीजी में सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को चांसलर मेडल और स्नातक के सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने छात्र को वाइस चांसलर मेडल प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न संकायों में डिग्रियों में सर्वश्रेष्ठ सीजीपीए प्राप्त करने वाले 14 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। समारोह में 2023 से दिसंबर 2024 तक परीक्षा पास करने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी। कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने बताया कि विवि में दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण समारोह होता है। इस दिन छात्रों को उपाधियां दी जाती है। डिग्री हासिल करने वाले छात्रों को समाज के विकास के लिए समर्पित किया जाता है। कुलपति ने कहा कि विवि अपने दीक्षांत समारोह में मिथिला की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। समारोह में शामिल सभी अतिथि मिथिला के पाग को धारण करेंगे जिसे विशेष रूप से भागलपुर के सिल्क फाईबर से बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पाग को मधुबनी पेंटिंग से सजाया गया है जो उसके सौंदर्य को चार चांद लगायेगा। दीक्षांत समारोह में अंग्रेजी वेशभूषा नहीं धारण की जायेगी। इसके अतिरिक्त दीक्षांत समारोह के दौरान दिये जाने वाले वाइस चांसलर लंच में भी मिथिला और बिहार के व्यंजन पड़ोसे जायेंगे। कुलसचिव डॉ मृत्युजय कुमार ने कहा कि इस दीक्षांत समारोह में लगभग आठ सौ छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी। अभी तक 350 से अधिक छात्रों ने समारोह में उपस्थित होकर उपाधि ग्रहण करने के लिए आवेदन किया है। कई छात्रों को इन एबसेंसिया भी डिग्री प्रदान किया जाएगा। समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान विदेशी छात्रों के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस और चार सौ बेड वाले एक अन्य हास्टल का भी उद्घाटन करेंगे। ये सभी हास्टल स्टेट आफ द आर्ट फैसिलिटी से लैस है। विवि में समारोह को लेकर 18 कमेटियां बनाई गई है जो विभिन्न क्षेत्रों में तैयारियां की देख रेख करेंगी।

प्रभात खबर 15/7/25 पेज 4

दीक्षांत समारोह संचालन के लिए बनीं 18 कमेटियां

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में दीक्षांत समारोह 17 जुलाई को है. इसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण भागीरथ चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि, किसान कल्याण रामनाथ ठाकुर व बिहार के उपमुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा शामिल होंगे. समारोह को लेकर 18 कमेटियां बनायी गई है. केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने के बाद विश्वविद्यालय का यह चौथा दीक्षांत समारोह है. दीक्षांत समारोह के दौरान कई गोल्ड मेडल भी प्रदान किया जायेगा.

विश्वविद्यालय के सभी संकाय में पीएचडी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम छात्र को विजिटर मेडल, पीजी में सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को चांसलर मेडल व स्नातक के सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने छात्र को वाइस चांसलर मेडल प्रदान किया जायेगा. इसके अतिरिक्त विभिन्न संकायों में डिग्रियों में सर्वश्रेष्ठ सीजीपीए प्राप्त करने वाले 14 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जायेगा. समारोह में 2023 से दिसंबर 2024 तक परीक्षा पास करने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी.

कुलपति डॉ पुण्यव्रत सुविमलेंदु पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण समारोह होता है. इस दिन छात्रों को उपाधियां दी जाती है. नेट-गेट और जेआरएफ में लगभग हर वर्ष सौ से अधिक छात्रों ने सफलता अर्जित की है.

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को लर्न, अर्न और रिटर्न के लिए प्रेरित करता है. कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने कहा कि समारोह में लगभग आठ सौ छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी. अभी तक तीन सौ पचास से अधिक छात्रों ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर उपाधि ग्रहण करने के लिए अप्लाई किया है. कई छात्रों को इन एबसेंसिया भी डिग्री दी जायेगी.

राष्ट्रीय सहारा - 14/7/25 P-5

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में दीक्षांत समारोह 17 जुलाई को

पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में अगामी 17 जुलाई को दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में केंद्रीय .षि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण भागीरथ चौधरी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि, किसान कल्याण राम नाथ ठाकुर तथा बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं .षि मंत्री विजय कुमार सिन्हा शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने के बाद विश्वविद्यालय का यह चौथा दीक्षांत समारोह है। दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के सभी संकाय में पीएचडी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम छात्र को विजिटर मेडल, पीजी में सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को चांसलर मेडल और स्नातक के सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने छात्र को वाइस चांसलर मेडल प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न संकायों में डिग्रियों में सर्वश्रेष्ठ सीजीपीए प्राप्त करने वाले 14 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। इस दीक्षांत समारोह में 2023 से दिसंबर 2024 तक परीक्षा पास करने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी। इस बाबत कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय और यहां के छात्रों केलिए एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। इस दिन छात्रों को उपाधियां दी जाती है और इस आशा के साथ उन्हें समाज को समर्पित किया जाता है कि वे देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों ने पिछले दो वर्षों में अपने प्रदर्शन से देश में विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाया है। नेट, गेट और जेआरएफ की परीक्षा में लगभग हर वर्ष सौ से अधिक छात्रों ने सफलता अर्जित की है। विश्वप्रसिद्ध इरेस्मस मुंडस फेलोशिप अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार छात्र केंद्रित निर्णय ले रहा है जिसका परिणाम अब दिखाई दे रहा है। डॉ पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को लर्न, अर्न और रिटर्न के लिए प्रेरित करता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने दीक्षांत समारोह में मिथिला की संस्.ति को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में शामिल सभी अतिथि मिथिला के प्रसिद्ध पाग को धारण करेंगे, जिसे विशेष रूप से भागलपुर के सिल्क फाईबर से बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पाग को मधुबनी पेंटिंग से सजाया गया है जो उसके सौंदर्य को और चार चांद लगायेगा। दीक्षांत समारोह में अंग्रेजी वेशभूषा नहीं धारण की जायेगी। इसके अतिरिक्त दीक्षांत समारोह के दौरान दिये जाने वाले वाइस चांसलर लंच में भी मिथिला और बिहार के व्यंजन पडोसे जायेंगे। वही कुलसचिव डॉ मृत्युजय कुमार ने कहा कि इस दीक्षांत समारोह में लगभग आठ सौ छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जायेगी। अभी तक तीन सौ पचास से अधिक छात्रों ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर उपाधि ग्रहण करने के लिए अप्लाई किया है। कई छात्रों को इन एबसेंसिया भी डिग्री प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदेशी छात्रों के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस और चार सौ बेड वाले एक अन्य हास्टल का भी उद्‌घाटन करेंगे। ये सभी हास्टल स्टेट आफ द आर्ट फैसिलिटी से लैस है। विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को लेकर अठारह कमिटियां बनाई गई है जो विभिन्न क्षेत्रों में तैयारियां की देख रेख करेंगी।

July 17 RPCAU convocation to promote Mithila culture

B K Mishra | TNN

Patna: Rajendra Prasad Central Agricultural University (RPCAU), Pusa, will hold its annual convocation in accordance with the traditions of the age-old Mithila culture on July 17 for the first time. More than 800 students of the university will receive degrees, including at least 14 who will be awarded gold medals.

The convocation ceremony will be attended by Union minister of agriculture and farmers' welfare, Shivraj Singh Chouhan, ministers of state Bhagirath Chaudhary and Ram Nath Thakur, and deputy chief minister and state agriculture minister Vijay Kumar Sinha.

File photo

RPCAU's administrative building at Pusa

Vice-chancellor P S Pandey told the newspaper that the university is making efforts to promote Mithila culture at its convocation ceremony. He said that all the guests will wear the famous Mithila *paag* (head gear), specially made of Bhagalpuri silk. Moreover, the pagri will be adorned with world famous Mithila painting.

दीक्षांत समारोह • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि में समारोह का आयोजन, बेहतर प्रदर्शन करने वाले 37 छात्रों को मिला गोल्ड मेडल

बिहार मेहनती किसान व ऊर्जावान युवाओं के बल पर कृषि में नई ऊंचाई छू रहा : विजय

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बिहार के उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह दिन छात्रों के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता और गुरुओं को बधाई दी। कहा कि छात्र भविष्य के वैज्ञानिक, अधिकारी और समाजसेवी हैं। पूसा विश्वविद्यालय ने कृषि में ड्रोन तकनीक के उपयोग को लेकर सैकड़ों लोगों को प्रशिक्षित किया है। इनमें 35 नमो ड्रोन दीदी भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने इन दीदियों को मुफ्त में ड्रोन भी दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार प्राकृतिक संपदा, मेहनती किसान और ऊर्जावान युवाओं के बल पर कृषि में नई ऊंचाई छू रहा है। -पढ़ें पेज 18 भी

पूसा विवि में दीक्षांत समारोह में शामिल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री महेश्वर हजारी, सांसद, कुलपति व अन्य।

पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में हो रहा विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने बिहार को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 9560 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत बिहार के 85 लाख से अधिक किसानों को हर साल 6000 रुपये की सहायता सीधे बैंक खाते में दी जा रही है। अगली किस्त एक-दो दिन में किसानों के खाते में भेजी जाएगी।

Dainik Bhaskar 18-07-2025

दीक्षांत समारोह • 13 पेटेंट और मरचा धान को जीआई टैग दिलाने में सफलता मिली, कुलपति ने गिनाई विवि की उपलब्धियां

विवि के 37 छात्र-छात्राओं को मिला गोल्ड मेडल

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में संपन्न हुए चतुर्थ दीक्षांत समारोह में विवि के कुल 37 छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथों गोल्ड मेडल से सम्मानित होने गौरव प्राप्त हुआ। कृषि मंत्री के हाथों गोल्ड मेडल पहनाए जाने व फोटो सेशन के दौरान छात्र-छात्राओं के चेहरे पर खुशियां झलक रही थी। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में काशवी काजल, परना चटर्जी, सची प्रिया, अन्किेत, तनिष्का चौधरी, स्वास्तिका बनर्जी, अंशिका राय, अंकित कुमार, इशिता ईशा, सीमा विश्वाश, मुस्कान, नह्क, अदिति बन्किि, अमिमशा, लिम्बु सुब्बा, विश्वजीत कुमार, सांभवी कुमारी, सौरभ साय, सौम्या, रंजना बेहरा, अंकिता दास, सृष्टि चौधरी, रिमली दास, सौवीक पाल, रजत सिंह, नवीन, नंद सरिता, संतोष, संगीता चौधरी, सलोनी कुमारी, अदिति बान्कि, विजय कुमार गुप्ता, सुन लवली, स्वाति स्वागतिका, आशा अनवर, दाबर्तानाथ, जीविथा जीएन शामिल हैं। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने कहा कि विवि कृषि शिक्षा और अनुसंधान में प्रतिष्ठित संस्थान बन चुका है। विश्वविद्यालय में 8 महाविद्यालय, 14 अनुसंधान केंद्र और 16 कृषि विज्ञान केंद्र हैं। 10 स्नातक, 28 स्नातकोत्तर और 16 पीएचडी कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। उद्यानिकी, वानिकी, सामुदायिक विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, कृषि अभियंत्रण, कृषि व्यवसाय और प्राकृतिक खेती जैसे क्षेत्रों में भी काम कर रहा है। पिछले 9 वर्षों में विश्वविद्यालय ने फसलों की 27 नई किस्में, 27 नई कृषि तकनीक विकसित की हैं। 13 पेटेंट और मरचा धान को जीआई टैग दिलाने में सफलता मिली है। नए छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य भारतीय परंपरा और देशभक्ति की भावना को जागृत करना है। विवि ने प्राकृतिक खेती की महत्ता को समझते हुए स्कूल ऑफ नेचुरल फार्मिंग की स्थापना की है। फरवरी 2025 में मोतिहारी परिसर में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत पशु प्रजनन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है। मशरूम उत्पादन में भी विश्वविद्यालय ने बेहतर कार्य किया है। इसके चलते बिहार में 40000 मीट्रिक टन से अधिक मशरूम उत्पादन हो रहा है। विश्वविद्यालय ने मखाना पर भी काम शुरू किया है। एग्री बिजनेस एंड रूरल मैनेजमेंट के सभी छात्रों का 100 प्रतिशत कैंपस चयन हुआ है। सांसद सांभवी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों के लिए लगातार नया करना होगा। रामनाथ ठाकुर ने कहा कि वैज्ञानिकों को खेतों में जाकर अनुसंधान करना चाहिए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने कहा कि पूसा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्हें किसानों के हित में नए अनुसंधान शुरू करने चाहिए। कुलाधिपति डॉ. प्रेम लाल गौतम ने कहा कि किसान और कृषि वैज्ञानिक एक-दूसरे के पूरक हैं। मौके पर कुलसचिव डॉ. मृत्यंजय कुमार, डॉ. बेहरा, डॉ. मयंक राय, डॉ. विनीता सत्पति और डॉ. अनुपम अभिताभ मौजूद रहे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में आयोजित दीक्षांत समारोह में शामिल मंत्री, कुलपति, सांसद, एमएलसी व अन्य।

कृषि मंत्री ने रिमोट से किया छात्रावास व भवन का उद्घाटन

पूसा | डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविधालय पूसा में आयोजित हुए चौथे दीक्षांत समारोह के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विवि में नवनिर्मित आर्यावर्त अंतरराष्ट्रीय गेस्ट हाउस और विक्रमशिला छात्रावास का रिमोट दबाकर उद्घाटन किया। इसके अलावे उन्होंने अन्य अतिथियों के साथ आधा दर्जन कृषि स्मारिका विमोचन भी किया। इसके अलावे भी उन्होंने कई चीजों का अनावरण किया। मौके पर कुलपति पीएस पांडे, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, एमएलसी डॉ. तरुण चौधरी, सांसद शांभवी , कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, रजिस्टार मृत्यंजय कुमार थे।

मोहनपुर : कुलपति ने मुख्यद्वार का किया शिलान्यास

मोहनपुर | जीएमआरडी कालेज, मोहनपुर के मुख्यद्वार का शिलान्यास ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. संजय कुमार चौधरी ने गुरुवार को किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा का वर्षों से अलख जगाता रहा है। इस महाविद्यालय में अनेक सभ्य पीढ़ियां तैयार की है। अतः इस महाविद्यालय के योगदान को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाएं, विश्वविद्यालय उन योजनाओं को क्रियान्वित करने की दिशा में मदद करेगा। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. डा. कुशेश्वर यादव, डा. संतोष कुमार, डा. लक्ष्मण यादव, डा. जितेन्द्र पाण्डेय, प्रो. रामागर थे।

दीक्षांत समारोह से पूर्व निकाली शोभा यात्रा

पूसा | डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के परिसर में आयोजित हुए चतुर्थ दीक्षांत समारोह के उद्घाटन सत्र से पहले अतिथियों द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में मुख्य रूप से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कुलपति डा. पुण्यव्रत सुविमलेंदु पांडेय, कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार, स्थानीय विधायक सह मंत्री महेश्वर हजारी, एमएलसी डॉ. तरुण कुमार चौधरी, सांसद शांभवी के अलावे विवि के कई डीन, डायरेक्टर आदि ने हिस्सा लिया। इस शोभा यात्रा ने दीक्षांत समारोह में चार चांद लगा दिया।

Dainik Bhaskar 18-07-2025

कृषि मंत्री का भाजपा नेताओं ने किया सम्मानित

कल्याणपुर| केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के दीक्षांत समारोह में भाग लेने गुरुवार को दरभंगा एयरपोर्ट से पूसा आ रहे थे। इसी क्रम में कल्याणपुर चौक पर भाजपाई का एक शिष्टमंडल ने मंत्री का स्वागत किया। मौके पर जिला अध्यक्ष नीलम साहनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रशांत कुमार, अंकित त्रिवेदी थे।

Dainik Bhaskar 18-07-2025

882 छात्रों को मिली डिग्री, 37 को गोल्ड मेडल

संस, जागरण ● पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षा समारोह में 882 छात्रों को डिग्री दी गई। इसमें 37 को गोल्ड मेडल भी दिया गया। दीक्षा समारोह में विश्वविद्यालय में यूजी, पीजी एवं पीएचडी के 2023 से 2024 दिसंबर तक पास आउट छात्र शामिल हैं। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में कासवी काजल, प्रणा चटर्जी, सच्ची प्रिया, अनिकेत, तनिष्का चौधरी, स्वस्तिका बनर्जी, अंशिका राय, अंकित कुमार, इशिता ईशा, सीमा विश्वास, मुस्कान, नहक, अदिति बनिक, अमिमशा, लिम्बु सुब्बा, विश्वजीत कुमार, सांभवी कुमारी, सौरभ साय, सौम्या, रंजना बेहरा, अंकिता दास, सृष्टि चौधरी, रिमली दास, सौवीक पाल, रजत सिंह, नवीन, नंद सरिता, संतोष, संगीता चौधरी, सलोनी कुमारी, अदिति बानिक, विजय कुमार गुप्ता, सुन लवली, स्वाति स्वागतिका, आशा अनवर, दावर्तानाथ, जीविथा जीएन शामिल रहीं। सभी छात्राएं तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली, पंडित दीनदयाल हॉर्टिकल्चर महाविद्यालय पिपरा कोठी, मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली, अभियंत्रण महाविद्यालय, बेसिक साइंस, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय विश्वविद्यालय के कृषि संकाय स्वाइल साइंस सहित अन्य विभाग में अध्ययनरत थे।

गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं ● जागरण

समारोह में विश्वविद्यालय के सभी संकाय में पीएचडी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम छात्र को विजिटर मेडल, पीजी में सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को कुलपति मेडल और स्नातक के सभी संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को वाइस चांसलर मेडल प्रदान किया गया है। सर्वश्रेष्ठ सीजीपीए प्राप्त करने वाले छात्रों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। सभी छात्र बिहार, बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्य के छात्र शामिल हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री के द्वारा गोल्ड मेडल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया एवं राज्य सरकार के कृषि कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के द्वारा डिग्री प्रदान की गई। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर पी एस पांडे, कुल सचिव डॉक्टर मृत्युंजय कुमार, कुलाधिपति प्रेमलाल गौतम, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. एमएल जाट मौजूद रहे।

Dainik jagran 18-07-2025

दैनिक भास्कर 18/07/25

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा में चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित

10 वर्षों में देश में 40 प्रतिशत खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ा : शिवराज सिंह चौहान

भास्कर न्यूज|पूसा

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में चौथा दीक्षांत समारोह का उद्घाटन गुरुवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने अतिथियों को पाग और माला पहनाकर स्वागत किया। कृषि मंत्री ने कहा कि वे मुख्य अतिथि नहीं, पूसा विश्वविद्यालय परिवार का हिस्सा हैं। मिथिलांचल की धरती पर आकर गौरव महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के किसान अनुभवी हैं। देश के किसानों को इनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी कृषि शिक्षा का उपयोग किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए करें। कृषि मंत्री ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में देश में 40 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है। आज 80 करोड़ परिवारों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से देश कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ा है। बिहार में मशरूम, लीची, मखाना, मछलीपालन और सब्जियों के उत्पादन में अच्छा काम हो रहा है। पूसा के कृषि वैज्ञानिकों को छोटे किसानों के लिए छोटी मशीनें विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है।

बिहार के बिना देश और दुनिया का नहीं चल सकता काम : शिवराज सिंह चौहान

- डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह को कृषि मंत्री ने किया संबोधित
- युवा विज्ञानियों से कृषि उत्पादन बढ़ाने व लागत घटाने जैसे उपाय पर काम करने की अपील

दीक्षा समारोह को संबोधित करते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान • जागरण

संस, जागरण • पूसा (समस्तीपुर) : केंद्रीय कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बिहार के बिना देश और दुनिया का काम नहीं चल सकता। पूरे देश में परिश्रमी किसान और प्रतिभा चाहिए तो वह बिहार की पवित्र भूमि से मिलेगा। यहां के नौजवान कर्तव्यनिष्ठ और परिश्रमी हैं। देश में कृषि के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है, लेकिन अभी और करना है। इसलिए युवाओं ने जो कुछ सीखा है, उसका उपयोग खेत में करें। स्टार्टअप लगाएं। कृषि उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने जैसे उपाय ढूंढ़ें। केंद्रीय मंत्री गुरुवार को डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में चतुर्थ दीक्षा समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान 882 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। इनमें 37 गोल्ड मेडल शामिल हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि दुनिया को प्रकाश देने वाला बिहार है। नालंदा यहीं है, जिसने शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया को प्रकाश दिया। इसी धरती ने बुद्ध को ज्ञान दिया। मेरा-तेरा सोच छोटे दिल वाले का होता है। दीक्षा का अर्थ शिक्षा की समाप्ति नहीं, नए युग की शुरुआत है। यह डिग्री संदेश दे रही है कि अनंत आकाश की उड़ान भरो। अपने को पहचानो। केवल लक्ष्य तय करने व उसके लिए रोडमैप बनाने की जरूरत है। जीवन का अर्थ केवल पैसा कमाना नहीं, बल्कि अनंत आकाश में संभावनाओं की तलाश है। उन्होंने मेडल पाने वाले विद्यार्थियों से ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग करने व खेती को करियर बनाने की भी अपील की। कहा कि असली पूसा तो यही है। दिल्ली वाला तो नकली पूसा है। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विश्वविद्यालय किसानों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हमें उत्पादन बढ़ाना है। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को विश्वविद्यालय अपने कंधे पर ले। उत्पादन बढ़ाएं और लागत घटाने की दिशा में कार्य करें।

छोटी जोत के लिए छोटी मशीन बनाएं : कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कभी भारत अमेरिका से गेहूं मंगाता था। लाल बहादुर शास्त्री ने अन्न की कमी देखते हुए सप्ताह में एक दिन उपवास की अपील की थी। आज अन्न के भंडार भरे हैं। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा। चावल निर्यात कर रहे हैं। केवल बासमती चावल 50 हजार करोड़ का निर्यात किया है।

Dainik Jagran 18-07-2025

दीक्षा समारोह से पूर्व निकाली गई शोभा यात्रा, प्रबुद्ध लोग रहे शामिल

संस, जागरण • पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षा समारोह में भाग लेने केंद्रीय कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय कृषि कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, राज्य सरकार के कृषि मंत्री विजय सिन्हा, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी भी शामिल रहे। मेडल वितरण से पूर्व एक शोभा यात्रा निकाली गई। अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति डा. पीएस पांडे ने कहा कि आप लोगों के आने से विश्वविद्यालय गौरवान्वित महसूस कर रहा है। विश्वविद्यालय में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

- कुलपति डा. पीएस पांडे ने अतिथियों का किया भव्य स्वागत कहा– गर्व का हो रहा अनुभव
- शोभा यात्रा में केंद्रीय मंत्री, बिहार सरकार के मंत्री, विश्वविद्यालय के विज्ञानी भी रहे मौजूद

विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना वर्ष से कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में स्वयं को प्रतिष्ठित किया है। आठ महाविद्यालय, 14 अनुसंधान केंद्र एवं 16 कृषि विज्ञान केंद्र को समेटे हुए इस विश्वविद्यालय अंतर्गत 10 स्नातक, 28 स्नातकोत्तर एवं 16 पीएचडी कार्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कृषि के साथ-साथ उद्यान, वानिकी, सामुदायिक विज्ञान, मत्स्यकी, कृषि अभियंत्रण, प्रौद्योगिकी, कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन प्राकृतिक खेती आदि क्षेत्रों में भी मानव संसाधन विकसित कर रहा है।

शोभा यात्रा में शामिल कुलपति, कुलसचिव, मंत्री व अन्य • जागरण

कुलपति ने गिनाई विश्वविद्यालय की उपलब्धियां : कुलपति डा. पांडेय ने अपने संबोधन में वि की उपलब्धियां भी गिनाईं। कहा कि विगत 9 वर्षों में फसलों के 27 नवीनतम किस्म, 27 नवीनतम कृषि तकनीक को विकसित किया है। इसके अलावा 13 को पेटेंट मिला है। मरचा धान ने जीआई टैग हासिल किया है। विश्वविद्यालय ने नए छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरुआत भी की है। इस पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय परंपरा की संस्कृति और देश प्रथम के प्रति समर्पण को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती की महत्ता को समझते हुए विश्वविद्यालय ने स्कूल आफ नेचुरल फार्मिंग की स्थापना की है। फरवरी 2025 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत विश्वविद्यालय के मोतिहारी के प्रांगण में स्थापित पशु प्रजनन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय में मशरूम के क्षेत्र में कार्य किया गया है। यही कारण है कि बिहार में आज 40000 मैट्रिक टन से अधिक मशरूम पैदा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के द्वारा अब तक 350 से अधिक ड्रोन पायलट प्रशिक्षित किए गए हैं। इसमें 35 नमो ड्रोन दीदी शामिल है। अब विश्वविद्यालय ने मखाना पर भी कार्य शुरू कर दिया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस एंड रूरल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों का 100 प्रतिशत कैंपस सलेक्शन हुआ है।

शोभा यात्रा में शामिल केंद्रीय मंत्री व अन्य • जागरण

Dainik Jagran 18-07-2025

किसान व युवा के बल पर आगे बढ़ रहा बिहार

डा. उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दीक्षा समारोह को किया संबोधित, कहा- आज का दिन रहा ऐतिहासिक

- उपमुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के छात्र -छात्राओं के माता -पिता और गुरुजनों को दी बधाई
- छात्र -छात्राओं से कहा -आप भविष्य के विज्ञानी, अधिकारी और समाजसेवी हैं

संस, जागरण • पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में आयोजित चतुर्थ दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आज का दिन छात्र-छात्राओं के लिए ऐतिहासिक दिन है। मैं छात्रों के माता-पिता और गुरूजनों को बधाई देता हूं जिन्होंने छात्रों को शिक्षित करने में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

उन्होंने छात्रों से कहा कि आप भविष्य के विज्ञानी, अधिकारी और समाजसेवी हैं। पूसा विश्वविद्यालय की कृषि में ड्रोन तकनीक के उपयोग को लेकर नमो ड्रोन दीदी को प्रशिक्षित करने की योजना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार तेजी से प्रगति कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा बिहार को कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्रों में 9560 करोड़ से अधिक की सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके लिए हम केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अभारी हैं। इसके अलावा बिहार के 85 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान योजना का लाभ मिल रहा है। हर साल सीधे उनके बैंक खातों में 6000 रूपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों से निपटने के लिए हमें अभी से तैयारी करनी होगी। इसके साथ ही कृषि को अब उद्यम से जोड़ना आवश्यक है। केंद्रीय कृषि कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने विज्ञानियों को किसानों के खेतों में जाकर अनुसंधान करने बल दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. एमएल जाट ने कहा कि यहां के विज्ञानी सराहनीय कार्य कर रहे हैं। कुलाधिपति डा. प्रेम लाल गौतम ने कहा कि किसान और कृषि विज्ञानीएक दूसरे के पूरक हैं। समारोह में सांसद शांभवी चौधरी, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी, विधान पार्षद तरुण कुमार, कुलसचिव डा. मृत्यंजय कुमार, डा. बेहरा, डा. मयंक राय, डा. विनीता सत्पति, डा. अनुपम अभिताभ आदि मौजूद रहे।

संबोधित करते विजय सिन्हा • जागरण

कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित प्रतिभागी • जागरण

दीक्षा समारोह में मौजूद विज्ञानी, अभिभावक एवं छात्र - छात्राएं • जागरण

केंद्रीय कृषि मंत्री का कल्याणपुर में भव्य स्वागत

संवाद सहयोगी, जागरण, कल्याणपुर : दरभंगा से पूसा आने के क्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का भाजपा कार्यकर्ताओं ने कल्याणपुर पेट्रोल पंप के समीप भव्य स्वागत किया। जिला अध्यक्ष नीलम सहनी ने बताया कि श्री चौहान का स्वागत माला पाग चादर से किया गया। मौके पर कार्यकर्ता दिव्यांग विकास कुमार को मंत्री ने उनके ट्राई साइकिल के समीप जाकर माला पहनाया। मौके पर सुरेंद्र ठाकुर, मधुबाला कुमारी, विमला सिंह, मुकेश कुमार सिंह, प्रशांत कुमार, सुधीर शर्मा, गोपाल कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

Dainik Jagran 18-07-2025

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 20 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले 24 से 48 घंटे में हल्की बारिश होने की संभावना है। उसके बाद वर्षा होने की संभावना में कमी आएगी। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26-27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
18 जुलाई	29.2	23.8
19 जुलाई	30.0	23.8
मुजफ्फरपुर		
18 जुलाई	30.0	23.8
19 जुलाई	30.0	24.0
पटना		
18 जुलाई	32.0	25.0
19 जुलाई	32.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik jagran 18-07-2025

भरोसा : भारत बनेगा दुनिया का फूड बास्केट : शिवराज

- शिवराज सिंह चौहान कृषि विवि के समारोह में पहुंचे
- कहा, देश की अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं किसान

पूसा , निज संवाददाता। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि आनेवाले दिनों में किसानों व वैज्ञानिकों के दम पर भारत दुनिया का फूड बास्केट बनेगा। देश की अर्थव्यवस्था की किसान आत्मा हैं और किसानों की पूजा हमारा धर्म है।

वे डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में अनाज का भंडार बढ़ने के साथ 40 फीसदी उत्पादन भी बढ़ा है। 50 हजार करोड़ के बासमती चावल का हर साल निर्यात होता है। स्टार्टअप, छोटे जोत के किसानों के लिए कृषि यंत्र, मोबाइल आधारित तकनीक के विकास को बढ़ावा देकर फूड बास्केट का लक्ष्य पाया जा सकता है। मिथिला की शान और पाग का मान बढ़ाने को हरसंभव काम होगा। ➤ देखें P 04

Hindustan 18-07-2025

केंद्रीय मंत्री का भाजपाइयों ने किया स्वागत

कल्याणपुर । क्षेत्र के भाजपाइयों ने भारत सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का गुरुवार को कल्याणपुर दुर्गा मंदिर के समीप उनके काफिले को रोककर स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री दरभंगा से डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे। उन्हें मिथिला के रीति रिवाज के अनुरूप पाग, चादर एवं माला देकर स्वागत किया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष अभिजीत शर्मा, अरुण सहनी, विजय शंकर ठाकुर, अंकित कुमार त्रिवेदी, मुकेश कुमार, जिलाध्यक्ष नीलम सहनी एवं मधुमाला आदि मौजूद थे।

Hindustan 18-07-2025

गुरुवार को डॉ.राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा में दीक्षांत समारोह के दौरान राष्ट्रगान के लिए खड़े कुलपति डॉ.पीएस पांडेय, आईसीआर के महानिदेशक डॉ.एमएल जाट, मंत्री रामनाथ ठाकुर, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी, विवि के कुलसचिव डॉ.मृत्युंजय कुमार, कुलाधिपति डॉ.प्रेम लाल गौतम, स्थानीय विधायक व मंत्री महेश्वर हजारी और एमएलसी डॉ.तरुण चौधरी। समारोह दो सत्रों में आयोजित किया गया।

डॉ.राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि में के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री ने छात्र-छात्राओं का बढ़ाया उत्साह, किया संबोधित

37 टॉपर छात्र-छात्राओं को मिला गोल्ड मेडल

पूसा, निज संवाददाता। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में आयोजित चौथे दीक्षान्त समारोह के दौरान कुल 37 छात्रों को गोल्ड मेडल दिए गए। इसमें ओवरऑल उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यूजी के दो छात्रों को विजिटर गोल्ड मेडल, पीजी के दो छात्रों को चांसलर गोल्ड मेडल एवं पीएचडी के दो छात्रों को वाइस चांसलर गोल्ड मेडल दिया गया है।

विजिटर गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में मत्स्यकी कॉलेज की कास्वी काजल एवं उद्यानिकी कॉलेज की परना चटर्जी शामिल हैं। चांसलर गोल्ड मेडल एक्वाकल्चर की अदिति बानिक एवं कृषि प्रसार शिक्षा की अमिसा लिबों सुब्बा एवं वाइस चांसलर गोल्ड मेडल दबाबराता नाथ एवं जीविथा जीएन को मिला। इसके अलावा विवि गोल्ड मेडल हासिल करने वालों में यूजी की टीसीए, ढोली की सची प्रिया, अनिकेत, मत्स्यकी कॉलेज की कासवी काजल व तनिष्का चौधरी, उद्यानिकी कॉलेज की स्वास्तिका बनर्जी व परना चटर्जी, कृषि अभियंत्रण से अंशिका राय, अंकित कुमार, सामुदायिक महाविद्यालय की मुस्कान, मधुस्मिता नहक शामिल हैं। पीजीसीए में विवि गोल्ड मेडल पाने वालों में विश्वजीत कुमार, शांभवी कुमारी, सौरभ साई, सौम्या राजन बेहरा, अंकिता दास, अमिमसा लिंबो सुब्बा, सृष्टि चौधरी, विम्ली दास शामिल हैं। सीएईटी से सौविक पल, रजत सिंह, बेसिक साइंस के नवीन, नंद सरिता संतोष, सामुदायिक कॉलेज की संगीता चौधरी, सलोनी कुमारी, मत्सकी की अदिती वैनिक, विजय कुमार गुप्ता, रूरल मैनेजमेंट में सन लवली, स्वाति स्वागातिका, एग्री बिजनेश में आशा अनवर शामिल रहे।

गुरुवार को केंद्रीय कृषि विवि पूसा में गोल्ड मेलड पाने के बाद उत्साहित छात्र-छात्राएं। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री ने इनका उत्साह बढ़ाया।

- दीक्षांत समारोह में सुबह ही पहुंचने लगे थे छात्र
- यूजी के दो छात्रों को विजिटर गोल्ड मेडल मिला

पाग मिथिला की शान : कार्यक्रम के दौरान कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा मिथिला की शान और पाग का मान बढ़ाने के लिए हरसंभव काम किया जाएगाकृषि मंत्री ने कहा, 50 हजार करोड़ के बासमती चावल का होता है निर्यात देश में अनाज का भंडार बढ़ने के साथ 40 फीसदी उत्पादन भी बढ़ा है।

समस्तीपुर की सब्जी, मुजफ्फपुर की शाही लीची व दरभंगा के मखाना की खास पहचान : उन्होंने कहा कि कृषि योजनाओं को गति देने में पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार लगातार प्रयास कर रही है। देश के वैज्ञानिकों विशेषकर युवाओं से इसी दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम धरती को बचाने के साथ खाद्य व पोषण सुरक्षा में भी सशक्त होंगे। शिवराज ने कहा कि वे मिथिला की शान व पाग का मान बढ़ाने के लिए हरसंभव कार्य करेंगे। समस्तीपुर की सब्जी, मुजफ्फरपुर की शाही लीची व दरभंगा के मखाना की खास पहचान है। यहां के किसानों की लगन व मेहनत व छात्रों की प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित है। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विवि के छात्रों को बधाई दी। मौके पर राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी, सांसद शांभवी चौधरी, एमएलसी डॉ. तरुण कुमार चौधरी आदि मौजूद थे।

विकास को गति देने में सरकार प्रयासरत

केन्द्रीय कृषि व कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि विवि के विकास को और गति देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इससे पूर्व शोभायात्रा व कुलगीत से समारोह की शुरुआत हुई। कुलाधिपति डॉ. प्रेमलाल गौतम ने दीक्षान्त समारोह की घोषणा की। स्वागत व प्रगति प्रतिवेदन कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। दीक्षांत समारोह में विवि के 37 छात्रों को गोल्ड मेडल समेत करीब 850 यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अलावा चार पुस्तकों का लोकार्पण, आर्यावर्त अन्तर्राष्ट्रीय अतिथि गृह और विक्रमशिला छात्रावास का उद्घाटन किया गया। धन्यवाद कुलसचिव डॉ.मृत्युंजय कुमार ने किया।

खेती में कॅरियर बनाने की सलाह दे गए 'मामा', कहा-कृषि में बड़ा अवसर

पूसा, निज संवाददाता। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम व केन्द्र सरकार के कृषि एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को अपने संबोधन में मामा शब्द का इस्तेमाल कर छात्र-छात्राओं को काफी प्रभावित किया।

मध्यप्रदेश के सीएम रहते वे मामा से ही लोकप्रिय थे। उस शब्द ने एक बार मौजूद छात्रों व अन्य मौजूद आंगुतकों को आकर्षित किया। इस दौरान उन्होंने कई बार इस शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए मैं मंत्री नहीं मामा हूं। हमें इनोवेटिव आइडिया से मुखातिब कराएं। इससे कृषि क्षेत्र की विकास गति और तेज हो। कोई मैकेनाईजेशन के क्षेत्र में, तो कोई टमाटर के सेल्फ लाइफ बढ़ाने की दिशा में, तो कोई छोटे कृषि यंत्रों के विकास में आइडिया दें। कृषि क्षेत्र के प्रत्येक क्षेत्रों के विकास के लिए मामा तैयार है।

संबोधित करते शिवराज सिंह चौहान।

उन्होंने कहा कि बीते दिन एक अभियान के तहत किसान-वैज्ञानिक का मिलन हुआ। जिसमें कई समस्याएं किसानों ने रखी। उसके निदान की दिशा में भी डिग्री लेने वाले छात्रों को आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उपाधि लेने वाले छात्रों से कहा कि वे खेती को कॅरियर बनाएं। उन्होंने कहा कि असली पूसा तो यहां है तो इसके साथ ही आपकी जिम्मेवारी भी काफी बढ़ गई है। विवि में काफी विकास हुआ है। उसे और गति देने की जरूरत है। यह कृषि विवि देश में कृषि क्षेत्र में नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए पीएम धन-धान्य योजना : मंत्री

पूसा, निज संवाददाता। केन्द्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान हित में प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से कम उत्पादन वाले जिलों में उत्पादन समेत कृषि से जुड़े अन्य कार्यों को और आकार दिया जा सके। पत्रकारो से बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश में अन्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। लेकिन कई राज्य एवं जिलों में फसल की उत्पादकता में अंतर है। ऐसे राज्य व जिलों को चिन्हित कर 11 विभाग की 36 योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जायेगा।

इससे कृषि में उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ पशुपालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन जैसे कार्यों को और विस्तार रूप से शुरू कर किसानों को लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य होगा। ऐसे क्षेत्रों में कम जोत वाले किसानों को भी अधिक मुनाफा के लिए प्रयास की शुरूआत होगी। इसमें बिहार के भी कई जिले शामिल हैं। उन्होंने कहा सरकार का मकसद फसल उत्पादकता राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाकर अधिक लाभ पहुंचाना है।

गुरुवार को केंद्रीय कृषि विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में मौजूद विवि के अधिकारी और कर्मचारी।

राज्य में है कानून का राज, अपराधी बचेगा नहीं :विजय

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में कानून का राज है। कोई अपराधी बचेगा नहीं। वहीं सांसद शांभवी चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किसान हमारे अन्नदाता है। उनके विकास के लिए सरकार हरसंभव सहयोग कर रही है। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाने के लिए और मजबूती से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गरीब तबके को 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगा। इससे करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे।

Hindustan 18-07-2025

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बोले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

बिहार के किसानों से देश को सीख मिलती है

कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान.

रिमोट दबा कर उद्घाटन करते केंद्रीय कृषि मंत्री .

शोभा यात्रा में शामिल कृषि मंत्री, कुलपति व अन्य .

दीक्षांत समारोह में निकाली गई शोभा यात्रा

पूसा . दीक्षांत समारोह के उद्घाटन सत्र के ठीक पहले शोभा यात्रा निकाली गई . इसमें मुख्य रूप से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कुलपति डा पुण्यव्रत सुविमलेंदु पांडेय, कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार सहित डीन डायरेक्टर ने हिस्सा लेकर समारोह में चार-चांद लगा दिया .

आर्यावर्त अंतरराष्ट्रीय गेस्ट हाउस का उद्घाटन

पूसा . डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षांत के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आर्यावर्त अंतरराष्ट्रीय गेस्ट हाउस, विक्रमशिला छात्रावास सहित आधा दर्जन कृषि स्मारिका का रिमोट दबाकर उद्घाटन विमोचन एवं अनावरण किया . मौके पर कुलपति सहित सभी आगत अतिथि मौजूद थे .

आयोजन

प्रतिनिधि, पूसा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यहां अतिथि नहीं बल्कि पूसा विश्वविद्यालय परिवार का हिस्सा हूं. मिथिलांचल की धरती और उसके मुख्य द्वार पर पहुंच कर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं. उन्होंने कहा बिहार के किसानों से देश के किसानों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है. यहां के किसान काफी अनुभवी है. उन्होंने कहा कि दुनिया को ज्ञान का प्रकाश देने वाले इस बिहार को बार-बार प्रणाम करता हूं. वे गुरुवार को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि बिहार वह धरती है जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान मिला. आज उसी आधार पर पीएम कहते हैं कि भारत को युद्ध की नहीं बल्कि बुद्ध की जरूरत है. उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे अपनी कृषि शिक्षा का प्रयोग अपने जीवन में निश्चित रूप से किसानों और कृषि के क्षेत्र के लिए ही करें. छात्र दुनिया में बड़ा से बड़ा काम कर सकते हैं. उन्हें केवल ईमानदारी से मेहनत करने की जरूरत है. केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में 40 प्रतिशत खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ा है. आज देश के 80 करोड़ परिवारों को फ्री में गेहूं दिया जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कृषि और किसानों के प्रति दूरगामी सोच ही आज देश को कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ा रहा है. बिहार में मशरूम, लीची, मखाना, मछलीपालन, विभिन्न प्रकार की सब्जियों के उत्पादन के क्षेत्र में काफी अच्छा काम हो रहा है. पूसा के कृषि वैज्ञानिकों को छोटे-छोटे कृषि तकनीक यानी मशीन को विकसित करने की जरूरत है. जिससे छोटे किसानों को अधिक फायदा मिल सके. उन्होंने कहा की जलवायु परिवर्तन के दौर में पूसा विवि के वैज्ञानिकों की जिम्मेवारी किसानों के प्रति और अधिक बढ़ गई है. उन्होंने कहा कि पूसा विवि के कृषि वैज्ञानिकों ने बहुत कुछ किया है लेकिन उन्हें समय के अनुरूप और कुछ नया करके दिखाने की जरूरत है. डॉ. राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय पूसा देश को कृषि के क्षेत्र में एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है. यहां से कृषि शिक्षा ग्रहण करना गौरव की बात है. उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को लक्ष्य तय करने की जरूरत है. उन्होंने कहा की बिहार में दलहन तिलहन की खेती तो होती है लेकिन उत्पादन कम है. इस उत्पादन को निश्चित रूप से बढ़ाने की जरूरत है. प्राकृतिक खेती करने के लिए किसानों को जागरूक करने की जरूरत है ताकि मिट्टी के उर्वरा शक्ति को बचाया जा सके. संचालन गरिमा भारती एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार ने किया.

Prabhat Khabar 18-07-2025

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ : उप मुख्यमंत्री

संबोधित करते उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा.

प्रतिनिधि, पूसा

उप मुख्यमंत्री एवं बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहा कि आज के बच्चे भविष्य के वैज्ञानिक हैं. कई कृषि के स्टार्ट-अप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे.

श्री सिन्हा ने कहा कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. बिहार के लिए कृषि का और भी महत्व है. यहां की बड़ी आबादी गांव में निवास करती है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बिहार सरकार ने 2023 में चौथा कृषि रोडमैप जारी किया है. इस रोडमैप के माध्यम से कृषि के समग्र विकास को लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जा रहे हैं. श्री अन्न, दलहन, तिलहन को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने कई योजनाएं चलाई है. बिहार सरकार कृषि में उद्यमिता विकास पर लगातार काम कर रही है. डिप्टी सीएम ने कहा कि राज्य में कृषि बुनियादी ढांचा का भी तेजी से विकास हो रहा है. पटना, दरभंगा, भागलपुर में 50 हजार टन की क्षमता वाले आधुनिक साइलोवेयर हाउस स्थापित किये गये हैं.

Prabhat Khabar 18-07-2025

गोल्ड मेडल पाकर प्रफुल्लित हुए छात्र व छात्राएं

गोल्ड मेडल से सम्मानित छात्र-छात्राएं.

पूसा . केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे. इसमें काशवी काजल, परना चटर्जी, सची प्रिया, अनिकेत, तनिष्का चौधरी, स्वास्तिका बनर्जी, अंशिका राय, अंकित कुमार, इशिता ईशा, सीमा विश्वाश, मुस्कान, नहक, अदिति बनिक, अमिमशा, लिम्बु सुब्बा, विश्वजीत कुमार, सांभवी कुमारी, सौरभ साय, सौम्या, रंजना बेहरा, अंकिता दास, सृष्टि चौधरी, रिमली दास, सौवीक पाल, रजत सिंह, नवीन, नंद सरिता, संतोष, संगीता चौधरी, सलोनी कुमारी, अदिति बानिक, विजय कुमार गुप्ता, सुन लवली, स्वाति स्वागतिका, आशा अनवर, दाबर्तानाथ, जीविथा जीएन शामिल हैं.

Prabhat Khabar 18-07-2025

बिहार के किसान कर्तव्यनिष्ठ व परिश्रमी : रामनाथ ठाकुर

संबोधित करते कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर .

प्रतिनिधि, पूसा

डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि सम्पूर्ण बिहार के किसान कर्तव्यनिष्ठ और परिश्रमी हैं. छात्र-छात्राएं शिक्षा तो ग्रहण कर लिया है पर इसका उपयोग देश एवं कृषि के हित में करने की जरूरत है. बच्चे दुनिया के तमाम कार्य संपादित कर सकते हैं. इसमें कोई भी रोड मैप की जरूरत नहीं है. समस्तीपुर की सब्जियां दुनिया में धूम मचा रही है. केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि मिथिला की परम्परा को देखने एवं समझने के लिए कम से कम दो दिनों का वक्त केंद्रीय कृषि मंत्री को देना चाहिए. दीक्षांत समारोह में शामिल बच्चों के बेहतर भविष्य का शुभकामना दी. सांसद शांभवी ने कहा कि केंद्रीय कृषि विवि के छात्र-छात्राएं काफी ऊर्जावान हैं. चांसलर डा पीएल गौतम ने कहा कि विवि के छात्र-छात्राएं देश ही नहीं वरन संसार के धरोहर हैं. शिक्षकों का सतत बच्चों को तराशने की दिशा में प्रयत्नशील रहने की आवश्यकता है. बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी ने कहा कि दीक्षांत समारोह केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है. पूसा में पठन-पाठन करने वाले छात्र-छात्राओं को एक सुंदर माहौल मिलता है. मौके पर कुलसचिव डा मृत्युंजय कुमार, निदेशक शिक्षा डा यूएस बेहरा, डीन पीजीसीए डा मयंक राय, डा उषा सिंह, डा आरके झा, डा कुमार राज्यवर्धन सहित कई वैज्ञानिक मौजूद थे.

प्रबंधन व प्राकृतिक खेती में भी मानव संसाधन विकसित करने की जरूरत : कुलपति

प्रतिनिधि, पूसा

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति डा पुण्यव्रत सुविमलेंदु पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय आज गौरवान्वित महसूस कर रहा है. नई ऊर्जा का संचार हो रहा है. विश्वविद्यालय आठ महाविद्यालय 14 अनुसंधान केंद्र एवं 16 कृषि विज्ञान केंद्र को समेटे हुए है. इसके अलावा 10 स्नातक 28 स्नाकोत्तर एवं 16 पीएचडी कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है. विश्वविद्यालय कृषि के साथ-साथ उद्यान की वानिकी सामुदायिक विज्ञान मत्स्य की विज्ञान कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन प्राकृतिक खेती आदि क्षेत्रों में भी मानव संसाधन विकसित किया जा रहा है. गत 9 वर्षों में फसलों के 27 नवीनतम किस्म 27 नवीनतम कृषि तकनीक सहित पेटेंट एवं मरचा धान का टैग हासिल किया है. कुलपति ने कहा कि छात्रों के लिए दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय परंपरा की संस्कृति और देश प्रथम के प्रति समर्पण को जागृत करता है. प्राकृतिक खेती की महत्ता को समझते हुए विश्वविद्यालय ने स्कूल ऑफ नेचुरल फार्मिंग की स्थापना की है. फरवरी 2025 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत मोतिहारी में स्थापित पशु प्रजनन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है. बिहार में 40000 मेट्रिक टन से अधिक मशरूम पैदा किया जा रहा है. अब तक 350 से अधिक ड्रोन पायलट प्रशिक्षित किये गये हैं. इसमें 35 नमो ड्रोन दीदी शामिल हैं.

संबोधित करते कुलपति डा पीएस पांडेय .

समारोह में उपस्थित वैज्ञानिक व छात्र-छात्राएं .

Prabhat Khabar 18-07-2025

ध्यान केंद्रित कार्य करने से सफलता को हासिल किया जा सकता है : शिवराज सिंह चौहान

पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के प्रांगण में चतुर्थ दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथियों का मिथिला की परंपरा के मुताबिक पाग, शॉल, स्मृतिचिन्ह, पुष्प गुच्छ आदि स्वागत अभिनंदन, कुलगीत प्रसारण एवं कुलपति डॉ पीएस पाण्डेय के नेतृत्व में आगत अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन के साथ समारोह ने दिशा पकडी। गुरुवार को आयोजित इस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान से ओतप्रोत पूसा की धरती कृषि एवं अनुसंधान की जननी है। पूसा मिथिलांचल की उर्वरा धरती पर स्थित यह विश्वविद्यालय अपने नित नूतन शोध व अभिनव अनुसंधान से देश ही नहीं पूरी दुनिया में तहलका मचा रहा है। 37 छात्र छात्राएं के बीच स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए छात्रों से उन्होंने कहा कि शिक्षा का उपयोग केवल नौकरी के लिए नही बल्कि कृषि के विकास के लिए करें। यहां के किसान खासकर छोटे-छोटे खेतों में खेती करते

संबोधित करते मंत्री व अन्य।

है। इसे ध्यान में रखते हुए लघु कृषि यंत्र से जुड़े शोध करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूं तो भारत कृषि प्रधान देश है मगर बिहार के कृषकों की भागीदारी इसमें अधिक है। यहां किसानों के बिना देश व विदेश का कृषि जगत अधूरा है। यहां के किसान तीव्र मस्तिष्क की धनी, चिंतनशील, प्रयोगधर्मी, कर्तव्यनिष्ठ व परिश्रमी होते है। उन्होंने बिहार को ज्ञान की प्रकाश का केंद्र बताते हुए भगवान बुद्ध की चर्चा किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि दीक्षांत का मतलब अंत नहीं, नयी जिम्मेदाररियों से ओतप्रोत जीवन की शुरुआत का पहला दिन है। उन्होंने कहा कि प्रतिबद्धता पूर्वक संकल्पित ध्यान केंद्रित कार्य करने से हर सफलता हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कृषि के क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। श्री चौहान ने कहा कि एक समय ऐसा था जिस समय भारत को खाद्यान्न के मामले में दूसरे देश पर निर्भर रहता था। आज अपने श्रमशील किसानों के बदौलत भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन काल में अनाज की उत्पादन क्षमता में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान उन्होंने समस्तीपुर की सब्जी, मुजफ्फरपुर की शाही लीची एवं मखाना की भी जिक्र किया। इस दौरान श्री चौहान ने रिमोट से अन्तर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस एवं नव निर्मित छात्रावास का उद्‌घाटन भी किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने छात्रों से कहा आपने देश के प्रतिष्ठित केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की है। आपकों शिक्षा देने में देश और समाज का प्रमुख योगदान है। अब देश और समाज के लिए अपना धर्म और कर्तव्य निभाने की शुरूआत करनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने विश्व गुरु बनाने का सपना और संकल्प को जमीन पर उतारने में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मौके पर विवि के कुलाधिपति डॉ पीएल गौतम, स्थानीय सांसद सांमभबी चौधरी, स्थानीय विधायक महेश्वर हजारी ने भी सम्बोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, वैज्ञानिक, सहित छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय वंचित वर्ग के युवाओं के कौशल विकास की दिशा में बड़ा कदम : रामनाथ ठाकुर, जताया सीएम का आभार

समस्तीपुर। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय के स्थापना होने से समाज के वंचित वर्ग के युवाओं को कौशल विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण मिलेगा जिससे वे रोजगार कर सकेंगे। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने मुख्यमंत्री नितीश कुमार को भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए धन्यवाद देते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का ऐतिहासिक निर्णय स्वागत योग्य कदम है। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के पुत्र श्री ठाकुर ने बताया कि नितीश कुमार जननायक के सपनो को साकार करने के लिए हमेश प्रत्यनशील रहे है। जननायक के सपनो को साकार करने में उनकी प्रतिबद्धता वंदनीय है। श्री ठाकुर ने कहा कि जननायक के सम्मान में राजग सरकार लगातार कदम उठाती रही है। विगत दो वर्ष पूर्व ही भारत रत्न की उपाधि से जननायक कर्पूरी ठाकुर को नवाजा गया है। इसके लिए मै पुनरू आभार व्यक्त करता हूँ। इस प्रकार अति पिछड़ों के मसीहा और सामाजिक न्याय के पुरोधा भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के सम्मान में निरंतर राजग की सरकार निर्णय लेती रही है। यह कदम न केवल गरीबों, वंचितों और समाज के पिछड़े वर्ग के मसीहा को सम्मान देने के कदम के रूप में माना जाएगा बल्कि यह एक ऐतिहासिक और युगांतकारी कदम है। जिसमें हमारे ऐतिहासिक पुरुष को सम्मान दिया गया है। मै इस निर्णय का स्वागत करता हूं और जिस प्रकार राजग की सरकार भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, उस कदम की भी मै सराहना करता हूँ।

रामनाथ ठाकुर।

Rashtriya Sahara 18-07-2025

THE TIMES OF INDIA 18/02/25 PN. 2

40% rise in agri production in last 11 years: Union min

Jainarain Pandey & B K Mishra | TNN

Patna: Union minister for agriculture and family welfare Shivraj Singh Chouhan on Thursday called upon agricultural scientists to develop advanced technologies, including portable fertiliser testing tools, in response to farmers' demands so that India could become a developed nation.

Speaking as the chief guest at the fourth convocation of Rajendra Prasad Central Agricultural University (RPCAU) at Pusa (Samastipur), Chouhan emphasised that since most Indian farmers operate on small landholdings, there is a greater need for compact, efficient machinery rather than large-scale equipment. More than 850 scholars of the university received their degrees, and nearly 20 of them were awarded gold medals at the convocation. Union minister of state for agriculture and farmers welfare, Ram Nath Thakur, and the state's deputy chief minister and agriculture minister Vijay Kumar Sinha also attended the convocation.

TOI

Union minister for agriculture and family welfare, Shivraj Singh Chouhan, with others at RPCAU on Thursday

RPCAU CONVOCATION

The minister called for research focused on extending the shelf life of perishable agricultural produce like litchi and tomato. He also urged the students to put their knowledge and research to practical use and contribute to ensuring food security of India.

Chouhan said, "We are now exporting wheat, and there was a significant increase in rice production as well. There has been 40% increase in agricultural production and Basmati rice exports worth Rs50,000 crore in the last 11 years under PM Modi govt," Chouhan said.

The convocation was held in accordance with the traditions of the age-old Mithila culture, as the guests were wearing Mithila paag (headgear) with Madhubani painting on the occasion.

कृषि शिक्षा, अनुसंधान व नवाचार का स्तंभ रहा है आइसीएआर

प्रतिनिधि,पूसा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से संचालित कृषि ज्ञान वाहन मुशहरी प्रखंड के रतवारा एवं कोठिया गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम किसानों और विद्यालयी छात्रों दोनों के लिए आयोजित किया गया था. डा बिनीता सतपथी ने कहा कि आईसीएआर की स्थापना वर्ष 1929 में हुई थी. देश में कृषि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का प्रमुख स्तंभ रहा है. इस संस्था के प्रयासों से देश ने हरित क्रांति, खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय वृद्धि जैसे कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किये हैं. इस अवसर पर किसानों को विभिन्न फसलों धान, गेहूं, मक्का, दाल, तिलहन और श्री अन्न के लिए विकसित पर्यावरण अनुकूल तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई. विद्यालयी छात्रों के लिए प्रेरणात्मक सत्र आयोजित किये गये. जिसमें उन्हें कृषि शिक्षा और वैज्ञानिक नवाचारों की जानकारी दी गई. जिससे उनमें कृषि के प्रति रुचि और समझ विकसित हो सके. विशेषज्ञ ने किसानों से संवाद स्थापित कर खरीफ फसलों की वैज्ञानिक विधियों, उर्वरक प्रबंधन, रोग नियंत्रण व वर्षा आधारित खेती की तकनीकों पर जानकारी साझा की. किसानों ने भी खुलकर अपनी समस्या रखी. जिसका समाधान किया गया.

प्रभात खबर
Saturday, July 19, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/687a95b08d4cd5283b1a202e

भास्कर 19/7/25 पेज 16

खेती-किसानी • बिहार के छोटे और सीमांत किसान इस व्यवसाय को शुरू कर आर्थिक स्थिति को बना सकते हैं मजबूत

बकरी पालन कम लागत में जल्द और ज्यादा मुनाफा देने वाला व्यवसाय : पशु वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज़|पूसा

मौजूदा समय में बकरीपालन का व्यवसाय किसानों के लिए काफी लाभकारी व्यवसाय साबित हो रहा है। बिहार के छोटे और सीमांत किसान इस व्यवसाय को अपनाकर कम समय और कम लागत में बेहतर मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। ये जानकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पशु वैज्ञानिक डॉ.रंजन कुमार ने दी है। उन्होंने कहा कि बकरी को एक बहुपयोगी पशु के रुप में जाना जाता है। किसान बकरियों का पालन कर जहां दूध, मांस, चमड़ी, ऊन एवं उर्वरक की प्राप्ति करते है। वहीं बकरी के हड्डियों, बाल, सिंघ, खुर आदि से भी अनेकों प्रकार की सामग्रियां बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि कृषि के बदलते परिवेश में किसानों को अत्यधिक लाभ अर्जित करने के लिए परंपरागत खेती के अलावे भी कुछ करने की जरूरत हैं। आज देश और राज्य के कई बेरोजगार युवक युवतियों ने बकरीपालन के इस व्यवसाय को निसंकोच अपनाया है तथा इससे बेहतर मुनाफा भी हासिल कर रहे है। पशु वैज्ञानिक ने बताया कि गाय और भैंस पालने की तुलना में बकरी पालन में कई प्रमुख विशेषताएं है। बकरीपालन का व्यवसाय कम पूंजी में अधिक मुनाफा देने वाला व्यवसाय है। अच्छी नस्ल की एक बकरी से किसान एक से डेढ़ साल में औसतन 5 बच्चों ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि बकरियां जहां बेहद प्रतिकूल परिस्थिति में भी अपना जीवन निर्वाह कर सकती हैं वही उसका भोजन भी अन्य पशुओं की तुलना में काफी कम होता है। बकरियां निकृष्ट एवं सस्ते घास के अलावे पेड़ एवं झाड़ियों को खाकर बेहतर गुणवत्ता वाले मांस और दूध देने का काम करती है।

पूसा में बकरी चराती महिला ।

किसान बकरियों की इन प्रजातियों का करें पालन

पशु वैज्ञानिक ने बताया कि किसान ब्लैक बंगाल, बारबरी, सिरोही, जमुनापरी, बीटल आदि प्रमुख उन्नत नस्लों के बकरियों का पालन कर बेहतर मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बकरी पालन के व्यवसाय को शुरू करने के लिए किसान शुरुआत में महज 8 से 10 बकरियों को पालकर 1 साल के अंदर अपनी पूंजी को वापस करते हुए भविष्य में एक निश्चित आय की प्राप्ति वाला व्यवसाय बना सकते हैं।

अन्य पशुओं की तुलना में बकरियों को होती है कम बीमारियां

पशु वैज्ञानिक ने बताया कि बकरियों को अन्य पशुओं की अपेक्षा काफी कम बीमारियां होती है। हालांकि इसके बावजूद किसान बकरियों के बीमारियों का रोकथाम और निवारण मामूली खर्च पर बकरियों को टीका लगवाकर आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अपने यहां मुख्यतः अर्ध सघन पद्धति तथा सघन पद्धति यानी दो प्रकार से बकरियों का पालन किया जाता है। पहली पद्धति में जहां बकरियों को प्रतिदिन 4 से 6 घंटे चराने के लिए खुला में छोड़ा जाता है वहीं अन्य समय में उन्हें घर के अंदर बंद कर कुछ कटी हुई पत्तियां, घास, हरा चारा तथा दानेदार आहार खिलाया जाता है। इस विधि से जहां बकरियों का अक्सर व्यायाम होता रहता है वहीं कम समय में ही उनके वजन में काफी वृद्धि होती है। जबकि दूसरी पद्धति सघन पद्धति के द्वारा जो बकरी पालन किया जाता है उसमें बकरियों के खानपान के साथ-साथ उसके रख रखाव की संपूर्ण व्यवस्था उनके रहने के स्थान पर ही की जाती है। इसे जीरो ग्रेजिंग पद्धति भी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि चारागाहों के क्षेत्रफल में हो रही कमी तथा उपलब्ध चारे की गुणवत्ता में आ रही गिरावट के कारण वर्तमान में सघन पद्धति परंपरागत बकरी पालन का सफल विकल्प माना जाता है।

भास्कर 19/7/25 पेज 17

बचाव जरूरी • गीले जंगह पर रहने से निमोनिया और कबसीडिया जैसी खतरनाक बीमारी उत्पन्न हो सकती है

मानसूनी बारिश के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है : पशु वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज | पूसा

इस समय गंभीर बीमारी होने का डर, लक्षण दिखते ही सतर्क हो जाएं

मानसूनी बारिश शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में बिहार के पशुपालकों को अपने-अपने पशुओं पर सामान्य दिनों की अपेक्षा विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इस मौसम में जगह-जगह व्याप्त जलजमाव और पशुओं को निचले हिस्से वाले जमीन में लगे चारे को खिलाने से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा भी बना रहता है। हालांकि पशुपालक चाहें तो पशु वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण सुझावों को अपनाकर वे अपने पशुओं को इन गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पशु वैज्ञानिक डॉ. रंजन कुमार ने दी है। उन्होंने कहा कि वैसे पशुपालक जिनके पशुशाला के छप्पर या छत से बारिश के दौरान पानी टपक रहा हो वे अविलंब पशुशाला के छप्पर को ठीक करा लें। पशुशाला में पानी टपकने से फर्श हमेशा गिला बना बना रहेगा जिससे निमोनिया और कबसीडिया जैसी खतरनाक बीमारी उत्पन्न हो सकती है और इस बीमारी से पशुओं की मौत भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में पशुओं के आहार पर भी पशुपालकों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पशुपालक पशुओं के आवश्यकता के अनुसार भूसा, दाना, चोकर और खल्ली का स्टोर भी कर लें।

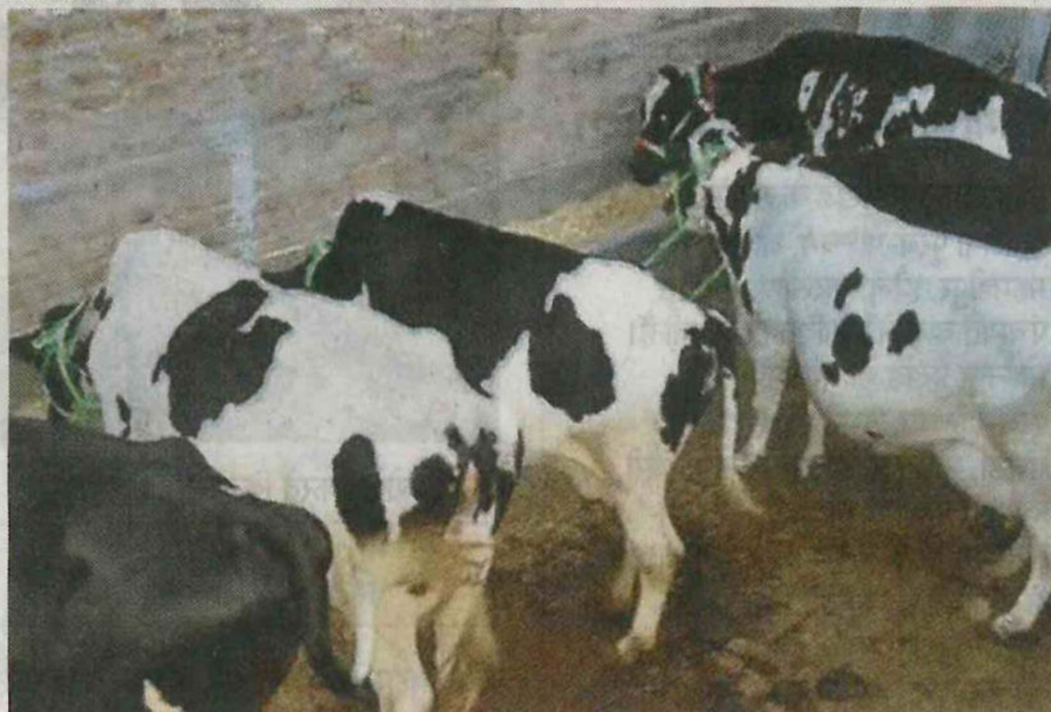

पूसा में किसान के दरवाजे पर बंधी गाय।

उन्होंने बताया कि पशुपालक बरसात के दिनों में मवेशियों को केवल हरा चारा न खिलाएं वे हरे चारे के साथ-साथ मवेशियों को भूसा मिलाकर जरूर खिलाएं। बरसात में हरे चारे में पानी की मात्रा अधिक होती है पशुओं को अगर केवल हरा चारा खिलाया जाएगा तो पशु पतला गोबर करने लगेंगे। इसके अलावे पशुपालक अपने मवेशियों को सामान्य दिनों में जितना दाना का मात्रा देते है बरसात के दिनों में उस दाने की मात्रा आधा किलो बढ़ाकर खिलाएं। चूंकि बरसात के दिनों में पशुओं को शरीर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए ज्यादा ऊर्जा की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि पशुपालक अपने पशुओं को फफूंद लगा हुआ भूसा, चोकर और चारा बिल्कुल न खिलाएं इससे संक्रमण होने का डर रहता हैं।

पशुओं में बढ़ जाती है बाह्य परजीवी कीट की संख्या, समय से दवा लगाएं

पशुपालकों को सुझाव देते हुए पशु वैज्ञानिक ने बताया कि बरसात के दिनों में पशुओं में बाह्य परजीवी जैसे अठैल, चमौकन आदि की समस्याएं बढ़ जाती है। बाह्य परजीवियों के कारण पशुओं में सर्रा, लाल पेशाब आदि जैसी खतरनाक बीमारियों के उत्पत्र होने का भी खतरा काफी अधिक बढ़ जाता हैं। ऐसी स्थिति में पशुपालक बाह्य परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए पशुओं को समय समय पर दवा लगाए तथा इन्ही दवाओं से पशुशाला के दीवाल, जमीन, नाद के नीचे आदि जगहों पर अच्छे से स्प्रे भी करें। ताकि अठैल व चमौकन पूर्णरूपेण मर जाएं।

पशुओं को पेट के कीड़े की दवा खिलाएं, टीका भी जरूर लगवाएं

पशु वैज्ञानिक ने बताया कि पशुपालक बरसात के दिनों में अपने-अपने मवेशियों को पेट के कीड़े से संबंधित दवा जरूर खिलाएं। इसके अलावे पशुपालक पशुओं को गलाघोटु, लंगड़ी, खुरपक्का व मुहपक्का आदि बीमारियों से बचाव के लिए प्रत्येक वर्ष टीका भी लगवाएं। उन्होंने बताया कि पशुपालक अपने पशुओं को बरसात के दिनों में गड्ढे वाले जमीन पर लगे घास को नही खिलाएं तथा किसी गड्ढे में लगे पानी को भी नही पिलाएं।

पछुआ हवा के साथ हल्की वर्षा के आसार

पूसा। उत्तर बिहार के जिलों में अगले चार दिनों में अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान औसतन 10 से 15 किमी प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चलने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है।

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने शुक्रवार को 23 जुलाई तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 एवं दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान 34 से 38 डिग्री एवं न्यूनतम 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

Hindustan 19-07-2025

प्रभात खबर 19/7/25

23 जुलाई तक अच्छी वर्षा की संभावना नहीं

समस्तीपुर. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के कृषि मौसम सेवा केन्द्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 19-23 जुलाई 2025 तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है. कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है. अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 34-38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है. न्यूनतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है. पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है. आज का अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा, सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम है.

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 20 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले 24 से 48 घंटे में हल्की बारिश होने की संभावना है। उसके बाद वर्षा होने की संभावना में कमी आएगी। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26-27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
19 जुलाई	29.2	23.8
20 जुलाई	30.0	23.8
	दरभंगा	
19 जुलाई	30.0	23.8
20 जुलाई	30.0	24.0
	पटना	
19 जुलाई	32.0	25.0
20 जुलाई	32.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

Prabhat Khabar 19-07-2025

उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की संभावना कम, किसानों को सताने लगी चिंता

संस, जागरण• पूसा : उत्तर बिहार के जिलों में अब अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार ने बताया कि उत्तर बिहार में अगले चार दिनों तक अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 34 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इतना ही नहीं, 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पछुआ हवा चलने की संभावना बताई गई है।

- बारिश को लेकर प्राथमिकता के आधार पर धान की रोपनी जरूरी
- सा

विज्ञानियों द्वारा किसानों को कृषि से संबंधित विभिन्न सुझाव दिए गए हैं।

बारिश को लेकर प्राथमिकता के आधार पर धान की रोपनी जरूरी: विगत पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार में अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई है। किसान धान की रोपनी प्राथमिकता के आधार पर करें। मध्यम अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम

स्फूर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के दो से तीन दिनों बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (तीन लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या पेन्डीमिथेलीन (तीन लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) का 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेयर क्षेत्र में छिड़काव करें।

सब्जियों पर कीड़ों की निगरानी जरूरी: सब्जियों में आवश्यकता अनुसार निकाई-गुड़ाई करना चाहिए। लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीटों का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मिली प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करना है।

अरहर की बोआई से पहले छिड़काव जरूरी : ऊंचाई वाली जमीन में अरहर की बुआई करनी है। ऊपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फूर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करना चाहिए। बहार, पूसा 9, नरेंद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 आदि किस्म बुआई के लिए अनुशंसित है। बीज दर 18-20 किलो प्रति हेक्टेयर रखना चाहिए। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को ऊचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। प्याज की बीज स्थली में जहां बिचड़े 15 से 20 दिनों के होने पर खर-पतवार निकालना जरूरी है। पौधशाला को धूप अथवा बारिश से बचाने के लिए छायादार नेट छह से सात फीट की ऊंचाई पर ढकने का कार्य करें। आर्द्रगलन (डेम्पिंग आफ) रोग की नियमित रूप से निगरानी करते रहना चाहिए।

आम के पौधों में अच्छी फलन के लिए करें छिड़काव: आम के पौधों की उम्र 10 वर्ष से अधिक के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरकों को 15-20 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। 1.25 किलोग्राम नेत्रजन, 300-400 ग्राम फासफोरस,1.0 किलोग्राम पोटाश, 50 ग्राम बोरेक्स तथा 15-20 ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आने के साथ ही स्वास्थ्य अच्छा बना रह सकेगा।

Prabhat Khabar 19-07-2025

भास्कर 20/7/25 पेज 18

सलाह • तकनीक को अपना कर किसान मौसम की मार से बचा सकते हैं फसलों को

पॉली टनल तकनीक से किसी भी मौसम में उगाएं सब्जी की फसल

भास्कर न्यूज़ | पूसा

पॉली टनल तकनीक किसानों के लिए एक अत्यंत लाभकारी तकनीक हैं। इस तकनीक के माध्यम से बिहार के किसान बेमौसम भी सब्जियों की खेती आसानी से कर सकते हैं। इतना ही नहीं इस तकनीक से सब्जियों का उत्पादन करने पर उसमें रोग और कीट के लगने की आशंका भी काफी कम होती है। ये जानकारी डॉ.राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वैज्ञानिक डॉ. धीरू कुमार तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि बारिश का दौर निरंतर जारी है तथा इस दौरान किसानों के लिए सब्जियों का पौधशाला तैयार करना काफी चुनौती भरा कार्य हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को जागरूक करने तथा पॉली टनल के माध्यम से बारिश के समय में भी सब्जियों का पौधशाला तैयार करने के उद्देश्य से केवीके बिरौली के परिसर में दर्जनों पॉली टनल तैयार किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में बाहर तैयार किए गए सब्जियों के पौधशाला में जहां पौधों के गलने की संभावना काफी अधिक होती है। वहीं पॉली टनल के माध्यम से यह समस्या नगण्य हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि पॉली टनल में फिलहाल गोबी और बैंगन के पौध तैयार किये जा रहे है। इस पौध को किसान अगेती सब्जियों के रूप में लगाकर बेहतर से बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया की जिले के किसान केवीके पहुँचकर इस तकनीक को देखते हुए इससे संबंधित प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं।

केवीके में पॉली टनल में लगी नर्सरी।

वैज्ञानिक तकनीक से सब्जियों की पौधशाला का प्रबंधन करें, होगी अधिक उपज व आमदनी

कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड डॉ. आरके तिवारी ने बताया कि किसान वर्षा ऋतु में वैज्ञानिक तकनीक से अपने सब्जियों के पौधशाला का प्रबंधन करें। उन्होंने बताया कि वैसे किसान जिन्होंने पॉली टनल में सब्जियों के बीजों की बुआई नही की है वे तेज वर्षा की आशंका से पूर्व ही क्यारी के ऊपर बांस बल्ला के माध्यम से पॉलीथिन लगाकर उसे अच्छे से बांध दें। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में सिंचाई की आवश्यकता काफी कम पड़ती है। इस हालत में अगर कहीं भारी बारिश के दौरान क्यारियों के आसपास पानी लग जाएं तो किसान उसे अविलंब निकालने का उपाय करें। क्यारियों में जब पौधे जम जाएं तो किसान प्रत्येक हफ्ते में प्रति लीटर पानी में एक ग्राम बेबेस्टिन पाउडर घोलकर उसपर छिड़काव करते रहे। ऐसा करने से किसान अपने पौधों को आद्रगलन फफूंद से बचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 20 से 25 दिन बाद किसान पौधों को पॉली टनल से उखाड़कर अपने खेतों में लगा सकते हैं।

पॉली टनल के अंदर किसान ऐसे करें खेत तैयार, खर्च भी कम

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि पॉली टनल में बारिश के दौरान सब्जियों के पौधों को तैयार करने के लिए सर्वप्रथम किसान पौधशाला में मेर पर ही क्यारियों को बनाएं। किसान इस बात का ध्यान रखे कि क्यारियों की चौड़ाई 1 मीटर से ज्यादा न हो चूंकि 1 मीटर चौरे क्यारियों में पौधों को बिना नुकसान पहुचाएं निकाई गुड़ाई का काम आसानी से किया जा सकता हैं। उन्होंने बताया कि किसान दो क्यारियों के बीच 40 से 45 सेंटीमीटर की नाली जरूर बनाएं जिससे सिंचाई और कृषि का अन्य कार्य आसानी से किया जा सकें। उन्होंने बताया कि पौधशाला में सब्जियों के बीज गिराने से पूर्व किसान पौधशाला की मिट्टी को भुरभुरा कर उसमें पर्याप्त मात्रा में वर्मी कंपोस्ट मिलाकर एक दो दिनों के लिए छोड़ दें।

किसान बीज का ऐसे करें उपचार

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान पौधशाला में सब्जियों के बीज गिराने से पूर्व 2 से 5 ग्राम थीरम नामक फफूंदनाशक दवा से प्रति किलों बीज को उपचारित जरूर करें। उन्होंने बताया कि सब्जियों की बुआई की जानकारी भी किसानों के लिए काफी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि किसान पॉली टनल में क्यारी की ऊंचाई की तरफ से किसी नोकदार लकड़ी की सहायता से 3 से 4 सेंटीमीटर की दूरी पर कतार में बीजों की बुआई करें। बारीक सब्जियों के बीज में किसान पर्याप्त मात्रा में रेत मिलाकर ही उसकी बुआई करें। इससे पौधे ज्यादा घने नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि किसान बीजों की बुआई के बाद क्यारी के मिट्टी को हाथों से समतल कर दें ताकि बोया गया बीज मिट्टी से अच्छे से ढक जाएं।

ईख अनुसंधान प्रक्षेत्र का भ्रमण करते ईख आयुक्त.

गुड़ निर्माण इकाई के 33 लाइसेंस निर्गत

पूसा. डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित ईख अनुसंधान संस्थान परिसर में लगे अनुसंधान में गन्ना फसल का ईख आयुक्त अनिल झा और डॉ देवेंद सिंह निदेशक ईख अनुसंधान संस्थान वैज्ञानिक टीम के साथ भ्रमण किया. गन्ना फसल प्रजनन कार्य की गतिविधियों का गहन अवलोकन किया. उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि बिहार राज्य के लिए सुखद संदेश विकसित हो रहा है. गुड़ निर्माण इकाई के 33 लाइसेंस अब तक दिये जा चुके हैं. गन्ना जूस का सेवन की मांग बिहार में है तो शोध भी हो ऐसे प्रभेद पर जो खास कर मई माह में जूस वेंडर को उपलब्ध करने की आवश्यकता है. गन्ना एक व्यवसायिक फसल है. इससे रोजगार के अनेकों दरवाजे खुलेंगे. मौके पर वैज्ञानिक डा बलवंत कुमार, डा नवनीत कुमार, चंद्रभूषण सिंह आदि मौजूद थे

प्रभात खबर
Monday, July 21, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/687d28a0d83903901d444447

भास्कर 21/7/25 पेज 18

नई तकनीक से फूलगोभी की खेती करें किसान : तिवारी

खेती की सलाह : कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वरीय कृषि वैज्ञानिक ने दी उन्नत तकनीक से खेती की जानकारी, इससे कम लागत में होगी अधिक आमदनी

भास्कर न्यूज | पूसा

मौजूदा समय फुलगोभी के आगात किस्मों को लगाने के लिए काफी उपयुक्त हैं। बिहार के ज्यादातर जिलों में इस समय किसान फूलगोभी की रोपाई शुरू कर चुके हैं। फुलगोभी से बेहतर उत्पादन और लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को फूलगोभी की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए। ये जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड व वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके तिवारी ने दी है। उन्होंने बताया कि फूलगोभी की खेती लगभग देश के सभी राज्यों में सालों भर की जाती है। देश की प्रमुख सब्जियों में फूलगोभी का नाम भी सबसे ऊपर ही है। फूलगोभी का प्रयोग सब्जियों के अलावे सूप और आचार बनाने में किया जाता है। अन्य सब्जियों की तुलना में फूलगोभी में पर्याप्त मात्रा विटामिन बी के साथ-साथ प्रोटीन पाया जाता हैं। उन्होंने बताया कि गोभी वर्गीय सब्जियों में फूल गोभी का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है। इसकी खेती के लिए ठंढा एवं आद्र जलवायु सर्वोत्तम माना जाता है। फूलगोभी उत्पादन के आधार पर फूलगोभी को तीन भागों में वर्गीकृत किया है जिसमें अगेती, मध्यम एवं पिछेती किस्में शामिल है। अगेती किस्मों में अर्ली कुंआरी, पूसा कतकी एवं समरकिंग शामिल है। जबकि मध्यम किस्मों में पूसा अगहनी, पंत सुभ्रा, पूसा सुभ्रा एवं पूसा सिंथेटिक शामिल है। इसके अलावे पिछेती किस्मों में पूसा स्नोबॉल 1 एवं पूसा स्नोबॉल 16 शामिल हैं।

नर्सरी में तैयार फूलगोबी का पौधा।

खेतों को तैयार करने के बाद निर्धारित मात्रा में डाले खाद

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि गोभी उत्पादन के लिए अच्छी जलनिकास वाली दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें जीवांश की प्रचुर मात्रा उपलब्ध हो काफी उपयुक्त मानी जाती हैं। उन्होंने बताया कि किसान सर्वप्रथम खेतों में गहरी व कई दफा जुताई कराने के बाद खेतों को पाटा मारकर समतल बना लें। किसान गोभी लगाने से 3 सप्ताह पूर्व ही अपने खेतों में प्रति हेक्टेयर की दर से 20 से 25 टन सड़ी हुई गोबर की खाद मिला दें। इसके अतिरिक्त किसान खेतों में 1 क्विंटल 20 किलो नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश भी जुताई में मिला दें। किसान इस बात का ध्यान रखें कि नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा एवं फॉस्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा अंतिम जुताई से पूर्व खेतों में अच्छी तरह से जरूर मिला दें। उन्होंने बताया कि वैसे किसान जिन्हें फूलगोभी की रोपाई करनी है और वे फूलगोभी का बिचरा नहीं गिरा पाए हैं वे कृषि विज्ञानं केंद्र बिरौली पहुंचकर फूलगोभी के अगेती प्रभेद अर्ली कुँवारी एवं फूलगोभी के हाइब्रिड प्रभेदों की खरीदारी उचित दर पर कर सकते हैं।

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 23 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले 24 से 48 घंटे में हल्की बारिश होने की संभावना है। उसके बाद वर्षा होने की संभावना में कमी आएगी। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 25-27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
21 जुलाई	32.0	27.0
22 जुलाई	32.8	27.0
दरभंगा		
21 जुलाई	32.8	27.0
22 जुलाई	32.8	27.5
पटना		
21 जुलाई	34.0	28.0
22 जुलाई	35.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 21-07-2025

कृषि विश्वविद्यालय ने बनाया राजेन्द्र पूसा गोनाईल

हि खास

पूसा, निज संवाददाता। अब घर को किटाणु रहित बनाना आसान होगा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि ने एक प्राकृतिक तरल तैयार किया है। जिसे पानी में मिलाकर सफाई करने से घर को कीटाणुओं से मुक्त किया जा सकेगा। इस तरल सामाग्री का नाम है राजेन्द्र पूसा गोनाईल। प्राकृतिक संसाधनों से निर्मित गोनाईल को विवि के अनुसंधान परिषद में प्रदर्शित किया गया। अब इसे बाजारों तक लाने की दिशा में पहल की जा रही है। इस कड़ी में इसके निर्माण की लागत में कमी के साथ बहुपयोगी बनाने व मार्केट की डिमांड को पूरा करने वाला बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके साथ गांव घर में भी इसके निर्माण के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास भी विवि करेगी। जिससे यह हर घर की जरूरत को पूरा कर सके। राजेन्द्र पूसा गोनाईल को विवि के प्राकृतिक खेती स्कूल की टीम ने इसे बनाया है।

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय विवि से निर्मित राजेन्द्र पूसा गोनाईल।

- **प्राकृतिक संसाधनों से निर्मित है गोनाईल**
- **घर को किटाणु रहित बनाना होगा आसान**

वैज्ञानिक ने बताया कि राजेन्द्र पूसा गोनाईल आसानी से मिलने वाले गौ-मूत्र, पाईन आयल (चीड़ का तेल) एवं लेमन ग्रास ऑयल आधारित प्राकृतिक फ्लोर क्लीनर है। जिसके उपयोग से घर की प्राकृतिक साफ सफाई की जा सकती है। इसे पानी में मिलाकर सफाई (पोछा) करने से घर को कीटाणुओं से मुक्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसके निर्माण में काफी कम लागत आती है। जिसे बड़े स्तर पर बनाने पर खर्चो को और कम किया जा सकता है।

Hindustan 21-07-2025

रामायण गोष्ठी में झूमते रहे श्रद्धालु

पूसा। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि परिसर स्थित महावीर मानस मंदिर, पूसा परिसर में रविवार को रामायण गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड रामचरित मानस प्रचार संघ, पूसा से जुड़े श्रद्धालुओं ने रामायण पाठ, प्रवचन एवं भजन कीर्तन प्रस्तुत किया। इस दौरान मौजूद श्रद्धालु झूमते रहे। मौके पर नवीन कुमार राय ने रामायण पाठ व प्रवचन प्रस्तुत कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, माता सीता एवं हनुमान जी के जीवन पर विस्तार से चर्चा की।

Hindustan 21-07-2025

स्कूल में पूर्ववर्ती छात्रों के सहयोग से बनी कंप्यूटर लैब का कुलपति ने किया उद्घाटन

ज्ञान अर्जित कर कमाने के बाद उसे वापस करना जरूरी है: कुलपति

कार्यक्रम

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि लर्न, अर्न व रिटर्न के सिद्धांत पर कार्य करने वाला व्यक्ति समाज व देश में अपनी विशेष पहचान बनाता है। इसे विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों ने साकार किया है। यह अन्य छात्रों व संस्थान से जुड़े लोगों के लिए प्रेरणादायी है। जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अमल में लाना चाहिए।

वे रविवार को विवि के वैज्ञानिकों की देखरेख में संचालित कैंपस पब्लिक स्कूल के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मौका था पूर्ववर्ती छात्रों के सहयोग से कप्यूटर लैब के उद्घाटन समारोह का। उन्होंने कहा कि ज्ञान अर्जित कर कमाने के बाद उसे वापस करना जरूरी है। वापसी माता पिता की सेवा कर, प्रकृति में पौधारोपण कर, देश, समाज, किसान, शिक्षा देने वाली संस्था, व्यक्ति व अन्य जरूरतमंदों को सहयोग कर भी वापस कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा इसे मूलमंत्र मानकर कार्य करने के साथ माता पिता व गुरू के सपने को साकार करें। स्वागत करते हुए अध्यक्ष सह विवि के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि पूर्ववर्ती छात्रों के प्रयास से यह साकार हो सका है। इसका लाभ स्कूली छात्रों को मिलेगा। इससे पूर्व कुलपति ने फीता काट कर लैब का उद्घाटन किया। संचालन शिक्षक अरूण कुमार ठाकुर एवं धन्यवाद प्राचार्य अजय कुमार ने किया। मौके पर वैज्ञानिक डॉ. ऋतंम्बरा, डॉ. केएल भूटिया, डॉ. साहू, पूर्ववर्ती छात्र व असिस्टेंट कमांडेट दीपक शुक्ला, चिकित्सक डॉ.संगम शुक्ला, भूपेन्द्र प्रसाद सिंह, निर्मल कुमार, रंजना शर्मा, निभा सिंह, अशोक कुमार व अन्य मौजूद रहे।

रविवार को कृषि विवि परिसर स्थित स्कूल की कंम्प्यूटर लैब का उद्घाटन करते कुलपति।

■ अपने माता-पिता और गुरु के सपने को साकार करें: कुलपति

Hindustan 21-07-2025

दैनिक भास्कर, 23/07/25 p-13

मौसम पूर्वानुमान • 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी, तापमान में बढ़ोतरी की संभावना

उत्तर बिहार के जिलों में 28 जुलाई तक ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा होगी, अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री के आसपास रहेगा

सिटीरिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में 23 से 28 जुलाई तक ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क-स्थिति बरकरार रहने की संभावना है। हालांकि स्थानीय स्तर पर कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के मौसम विभाग के वैज्ञानिक के अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। वहीं सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है। इस बीच पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 कि.मी. प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है। वहीं अभी लगातार तापमान में उतार चढ़ाव के कारण लोगों को गर्मी से परेशानी बढेगी। उमस वाली गर्मी से और परेशानी होगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 36.5 और न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री.से. रिकॉर्ड किया गया। अभी आगे भी तापमान में बढोतरी की संभावना है।

आसमान साफ रहा, दिन भर रुक-रुक कर घुमड़ते रहे बादल

उधर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र ने 22 जुलाई 2025 का मौसम विवरण भी जारी किया है। इस दिन अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा था। सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत और दोपहर 2 बजे 70 प्रतिशत रही। वाष्पोत्सर्जन 4.0 मिलीमीटर दर्ज किया गया। हवा की गति 4.2 किलोमीटर प्रति घंटा रही। दिशा दक्षिणी रही। पिछले 24 घंटे में वर्षा नहीं हुई।

इस तरह का मौसम कृषि के लिए हानिकारक

मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए सत्तार ने बताया कि अभी साढ़े 27 डिग्री के आसपास तापमान है। यह बढ़ भी सकता है। उधर, संयुक्त निदेशक कृषि बिहार पटना पूर्णेन्दु नाथ झा ने बताया कि मौसम के इस तरह से बदलते मिजाज कृषि के लिए हानिकारक है। ऐसे में किसान को वैकल्पिक खेती जैसे मोटे अनाज के साथ ही वैकल्पिक योजनाएं तैयार कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दरभंगा और उसके परिक्षेत्र में मानसून होने की वजह से जलवायु परिवर्तन उच्च तापमान, स्थानी भू-आकृति विभिन्न हवाओं के मिलन के कारण स्थिति कमजोर देखी जा रही है।

किसानी • कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के प्रमुख व वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके तिवारी ने दी किसानों को सलाह

व्यापारिक दृष्टिकोण से महोगनी, अर्जुन, सागवान की खेती किसानों के लिए है लाभकारी, होगी अच्छी आय

दैनिक भास्कर 23/7/25 P-16

भास्कर न्यूज़|पूसा

महोगनी, अर्जुन, सागवान आदि जैसे पौधों को व्यापारिक दृष्टिकोण से काफी कीमती और उपयोगी माना जाता हैं। बिहार के किसान न सिर्फ इन पौधों को अपने खेतों में सघन रूप से लगाकर बल्कि इसे अपने खेत के मेरो पर भी लगाकर कुछ ही वर्षों में इससे बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकते है। इन सभी पौधों के लकड़ियों से पानी के जहाज, बेहतरीन फर्नीचर, बंदूक बट, प्लाईवुड, क्रिकेट बैट आदि जैसे महत्वपूर्ण सामान बनाएं जाते है जिससे इसकी मांग हमेशा बाजारों में बनी रहती है। इतना ही नही बाजारों में इन सभी लकड़ियों की मांग सालों भर बने रहने के कारण किसानों को इसकी कीमत भी हमेशा अच्छी ही मिलती हैं। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञानं केंद्र बिरौली के प्रमुख व वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि इन लकड़ियों से जुड़े पौधों को खेतों में लगाने का सबसे उपयुक्त समय जून और जुलाई का महीना होता है। चुंकि इस दौरान देश के प्रायः हिस्सों में मॉनसून सक्रिय रहता है जिस वजह से पौधें आसानी से लग जाते है और [illegible]ने विकाश करने के लि[illegible] भी उपयुक्त वातावरण मिल पाता है।

मोरसंड में कतारबद्ध तरीके से लगाए गए पेड़।

किसान खेतों में ऐसे लगाएं मोहगनी,सागवान के पौधे

पौधों को खेतों में लगाने के लिए किसान सबसे पहले खेत की गहरी जुताई कराकर खेत को कुछ दिनों के लिए ऐसे ही छोड़ दें। बाद में एक बार पुनः खेत की जुताई कराते हुए उसमें पाटा चलवाकर खेत को समतल बना लें। खेत जब पूर्णतः समतल हो जाएं तब उसमें किसान 2 गुणे 2 मीटर की दूरी पर पंक्तिबद्ध तरीके से 2 फिट गहरा गड्ढा खोद लें। उन्होंने बताया कि इन गड्ढों को तैयार कर किसान उसमें जैविक व रासायनिक दोनों तरह के खादों को निर्धारित मात्रा के अनुसार मिट्टी में मिलाते हुए गड्ढों को मिट्टी से भर दें। अगर इस समय बारिश नही हो रही हो तो किसान गड्ढे को भरने के बाद उसकी गहरी सिंचाई कर उसे किसी चीज से ढक दें।

पौधों में लगने वाले रोग व उसके बचाव के तरीके

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि महोगनी, अर्जुन, सागवान आदि के पेड़ों में अबतक किसी खास तरह का कोई रोग देखने को नही मिला है। खासकर महोगनी के पत्तियों में तो खासियत ही खासियत होती है। इसका इस्तेमाल कीटनाशकों को तैयार करने में किया जाता है। हालांकि उन्होंने कहा की अधिक टाइम तक इन पौधों के आसपास जलजमाव होने से पौधों में तना गलन रोग लग सकता है। इसलिए किसान इसकी रोकथाम के लिए जलजमाव न होने दें। उन्होंने बताया कि किसान इन सभी पौधों की कटाई लगभग 12 से 15 सालों बाद जरूरत के अनुसार कर सकते हैं। हालांकि इन पौधों की देरी से की जाने वाली कटाई ही किसानों के लिए ज्यादा लाभकारी होती हैं।

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 28 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि मे उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर क वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने का अनुमान है। हालांकि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि मे अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
23 जुलाई	36.0	28.0
24 जुलाई	36.8	28.0
	दरभंगा	
23 जुलाई	36.8	28.0
24 जुलाई	36.8	28.5
	पटना	
23 जुलाई	38.0	29.0
24 जुलाई	38.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 23-07-2025

खेती के साथ-साथ डेयरी फार्म व्यवसाय को दें बढ़ावा

प्रशिक्षण

पूसा,निज संवाददाता। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि से जुड़े कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली (केवीके) के प्रमुख डॉ.आरके तिवारी ने कहा कि कृषि को व्यवसाय के रूप में विस्तार करने की जरूरत है। इसके लिए खेती के साथ इससे जुड़े अन्य विकल्पों को बढ़ावा देना समय की मांग है। इसमें डेयरी फार्म का व्यवसाय एक बेहतर विकल्प है। इसमें दूध उत्पादन, प्रोसेसिंग व मार्केटिंग कर अच्छी आमदनी ली जा सकती है। जरूरत है वैज्ञानिक तरीके से दूध उत्पादन व बाजार की मांग को पूरा करने की। इसमें इस तरह का प्रशिक्षण काफी लाभकारी साबित होगा। वे मंगलवार को केवीके के सभागार में प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मौका था डेयरी फार्मिंग विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त दूध व उससे जुड़े उत्पाद की बाजार में काफी मांग है। जरूरत है अपने उत्पाद की ब्रांडिंग करने की। जिससे डेयरी से जुड़े उत्पादो की मांग लगातार बढ़ती रहे। पशु वैज्ञानिक डॉ.वीके गोंद ने कहा कि पशुपालन में उसकी आवासीय व्यवस्था व रखरखाव काफी महत्वपूर्ण है।

इसके लिए उसकी स्वच्छता के साथ पशुओं के अनुकूल होने की जरूरत है। एसएमएस सुमित कुमार ने दूध उत्पादो की मार्केटिंग की चर्चा करते हुए कई कंपनियो व उसके व्यवसाय का उदाहरण देते हुए उससे सीखने कीत जरूरत है।

उन्होंने कहा कि डेयरी उद्योग आर्थिक रूप से सबल करने का बेहतर माध्यम है। मौके पर डॉ.धीरू कुमार तिवारी, वर्षा कुमारी, शंभू प्रसाद आदि मौजूद थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली में प्रशिक्षण समारोह का उद्घाटन करते केन्द्र प्रमुख व अन्य वैज्ञानिक।

हल्की वर्षा हो सकती है, मौसम रहेगा शुष्क

पूसा। उत्तर बिहार के अधिकतर जिलों अगले 5 दिनों तक कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान शुष्क की स्थिति बरकरार रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताया है। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने मंगलवार को 28 जुलाई तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में औसतन 15 किमी. प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चल सकती है। पूर्वानुमान की अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 एवं दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रह सकता है।इस अवधि में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री एवं न्यूनतम 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।

Hindustan 23-07-2025

प्रभात खबर 23/7/25 पेज 6

जिले में 28 जुलाई तक शुष्क स्थिति के आसार, कृषि चौपट

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के ग्रामीण कृषि सेवा केन्द्र व भारत मौसम विभाग के द्वारा 23 से 28 जुलाई तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों अधिकतर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने की संभावना है. हालांकि स्थानीय स्तर पर कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है. इस अवधि में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. जबकि न्यूनतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है. पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है. आज का अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा.

श्री कुशवाहा ने श्री झा का स्वागत किया. प्रभात खबर 23/7/25 पेज 6

पशुपालन की जानकारी होना जरूरी : डॉ तिवारी

उद्घाटन करते केंद्र प्रमुख .

पूसा. डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली द्वारा पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. पहले दिन केंद्र के वैज्ञानिकों के उद्घाटन किया. पशुपालकों द्वारा किये जाने वाले विभिन्न कार्यों की जानकारी उन्हीं से ही ली गई. इसके बाद पशुपालन के विभिन्न अवयव की जानकारी केंद्र प्रमुख वैज्ञानिक डॉ आरके तिवारी ने दी. डॉ वीके गोंद ने आवास व्यवस्था एवं उनके रखरखाव की जानकारी दी. प्रशिक्षण में लगभग 70 किसान शामिल हैं.

Prabhat Khabar 23-07-2025

प्रचंड गर्मी का सिलसिला रहेगा जारी बारिश के आसार नहीं

समस्तीपुर । फिलहार बारिश के आसार नहीं है। इसकारण मौसम शुष्क रहने और तापमान 38 डिग्री के आसपास रहने से प्रचंड गर्मी का दौर जारी रहने की संभावना है। इस बाबत जिले के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय .षि विश्वविद्यालय पूसा, स्थित ग्रामीण .षि मौसम सेवा, एवं भारत मौसम विभाग के सहयोग से जलवायू परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र द्वारा जारी अगामी 28 जुलाई, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क-स्थिति बरकरार रहने की संभावना है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर कही-कही हल्की वर्षा हो सकती है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। जवकि न्यूनतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।

Rashtriya Sahara 23-07-2025

आय सृजन को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण आयाम : डॉ सिंह

प्रशिक्षण का उद्घाटन करते अतिथि.

प्रतिनिधि, पूसा

डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली द्वारा अनुसूचित जाति उप-योजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-किसान गोष्ठी एवं कृषि उपादान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अध्यक्षता तिरहुत कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पीपी सिंह ने की. उन्होंने कहा कि यह योजना अनुसूचित जाति के समग्र विकास के लिए है. जिसमें कौशल विकास, आधारभूत संरचना का सृजन व आय सृजन को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण आयाम शामिल हैं. उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह के कार्यक्रम अनुसूचित जाति के किसानों को मुख्यधारा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं. कार्यक्रम के अगले क्रम में बीज निदेशक डॉ डीके राय ने किसानों को गुणवत्ता बीजों के प्रयोग, उपयुक्त समय पर बुवाई, फसल सुरक्षा उपायों एवं उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों पर विस्तृत जानकारी दी. मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुबोध कुमार सिन्हा ने बताया कि इसके माध्यम से अनुसूचित जाति के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार कर उन्हें सशक्त बनाना अंतिम लक्ष्य है. डॉ मोनिका दलाल ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती, बीज उत्पादन, मिश्रित फसल प्रणाली, जल संरक्षण तकनीक और मूल्य संवर्धन की विधियों से अवगत कराया गया. प्रशिक्षण सत्र में डॉ अजय कुमार, डॉ राजेश कुमार, डॉ श्वेता मिश्रा, डॉ एके मिश्रा, डॉ आशीष नारायण, डॉ गीतांजली चौधरी, डॉ हेमचन्द्र चौधरी, डॉ वरुण ने प्रशिक्षण दिया

प्रभात खबर
Thursday, July 24, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6881328f985f78e4ac960877

कृषि विवि में हुआ प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी व कृषि उपादान वितरण कार्यक्रम

मुरौल| बुधवार को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-किसान गोष्ठी व कृषि उपादान वितरण कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता तिरहुत कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी पी सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि यह योजना अनुसूचित जाति के समग्र विकास के लिए है, जिसमें कौशल विकास, आधारभूत संरचना का सृजन तथा आय-सृजन को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण आयाम शामिल हैं। अनुसूचित जाति के किसानों को मुख्यधारा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। बीज निदेशक डॉ. डी के राय ने किसानों को गुणवत्ता बीजों के प्रयोग व वैज्ञानिक विधियों पर विस्तृत जानकारी दी।

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 28 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर क वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने का अनुमान है। हालांकि कही-कही हल्की वर्षा हो सकती है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
24 जुलाई	37.0	29.0
25 जुलाई	37.8	29.0
	दरभंगा	
24 जुलाई	37.8	29.0
25 जुलाई	37.8	29.5
	पटना	
24 जुलाई	39.0	30.0
25 जुलाई	39.0	30.0

डिग्री सेल्सियस में

प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को जमीनी स्तर पर उतारने की जरूरत : डॉ पीपी सिंह

पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के सभागार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली की ओर से संचालित अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत अनुसूचित जाति के महिला किसानों को कृषि के नवीनतम तकनीक जानकारी देकर उनकी उत्पादकता, दक्षता व आय में बढ़ोतरी केलिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कृषि उपादान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ उपस्थित आगत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। उपस्थित राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुबोध कुमार ने जैव प्रौद्योगिकी आधारित फसलों की महत्ता एवं रोग प्रतिरोधी फसल के किस्मों का चयन, और जलवायु अनुकूलन तकनीकों से जुड़े जानकारी किसानों को दिया। इस अवसर पर डॉ. मोनिका ने कहा कि महिला किसानों को कृषि के मूल्य श्रृंखला से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़

उद्घाटन करते अतिथि व अन्य।

किया जा सकता है। साथ ही मशरूम उत्पादन, पोषण वाटिका, जैविक खाद निर्माण एवं सूक्ष्म उद्यमिता से जुड़े जानकारी दिया। डॉ. जसदीप सी. पदारिया ने अपने संबोधन में कहा कि किसान खेती में नवीनतम तकनीक का उपयोग कर अपनी आय को बढा सकते है। उपस्थित तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के अधिष्ठाता डॉ. पी.पी. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि अनुसूचित जाति उप-योजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की एक क्रांतिकारी पहल है, जिसका उद्देश्य कृषि अनुसंधान एवं प्रसार की गतिविधियों को सामाजिक समावेशन की दृष्टि से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। उन्होंने किसानों से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपनी खेतों में उतारे वहीं कृषि के नवीनतम तकनीक को अपनाकर फसल की उत्पादकता को बढ़ाने की सलाह दिया।निदेशक बीज डॉ. डी.के. राय ने कहा कि फसल की रीढ़ बीज होता है इसलिए बेहतर उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज का चयन करना जरूरी है। साथ ही उन्होंने ने बीज की उपचार व, भंडारण एवं प्रमाणित बीजों के महत्व पर विस्तृत जानकारी दिया। आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन प्राध्यापक सह मुख्य वैज्ञानिकडॉ. स्वेता मिश्रा ने बीज सुरक्षा, व खेती में महिला की भूमिका एवं बुआई के बाद फसल की प्रबंधन पर जानकारी दिया। उपस्थित डॉ. अजय कुमार,डॉ. राजेश कुमार,डॉ. ए. के. मिश्रा एवं डॉ. आशीष नारायण ने फसल से जुड़ी अपनी बातों को रखा। इस दौरान प्रशिक्षुओं के बीच मक्का एवं मडुआ व सांवा फसलों का बीज सहित खेती से जुड़े कुदाल, खुरपी एवं हंसिया जैसे कृषि यंत्र एवं प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किया गयौ कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. के.के. सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. गीतांजली चौधरी, डॉ. हेम चन्द्र चौधरी, डॉ. बरूण, डॉ. आरती कुमारी, डॉ. श्रुति कुमारी, ई. स्नेह संसार सहित वैज्ञानिक व प्रशिक्षु उपस्थित थे।

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं पशुपालक : डॉ विजय

प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी व वैज्ञानिक.

पूसा. डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के सभागार में जारी पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण संपन्न हो गया. यह प्रशिक्षण ग्रामीण युवा व युवतियों के लिए आयोजित किया गया था. प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ आरके तिवारी ने पशुओं में भोजन प्रबंधन व पशुपालन की शुरुआत कैसे करें इसकी जानकारी दी गई. दूसरे दिन डॉ वीके गोंड के द्वारा पशुओं के आवास व्यवस्था व पशुओं में कृमिनाशक का प्रयोग व टीकाकरण प्रणाली पर जानकारी दी गई. तीसरे दिन डॉ प्रदीप कुमार के द्वारा पशुओं में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों एवं उसका निदान कैसे किया जाये इसकी विस्तृत जानकारी दी गई. चौथे दिन डॉ नंद के द्वारा चारा उत्पादन व साल भर हम कैसे चारा उत्पादन करें इसकी जानकारी दी गई. प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन डॉ विजय कुमार ने सरकार की योजनाओं एवं पशुपालन में आने वाले छोटी से छोटी समस्याओं व उसका निदान की जानकारी दी. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 80 से ज्यादा प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया. इसके साथ ही साथ कृषि विज्ञान केंद्र में उपलब्ध बहू वर्षीय चारा प्रदर्शन इकाई अजोला की इकाई का भ्रमण भी कराया गया. उसका कैसे अधिक से अधिक उपयोग कर सके इसकी भी जानकारी दी गई. प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पशुपालकों के सवाल एवं जवाब का भी कार्यक्रम किया गया.

प्रभात खबर
Saturday, July 26, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6883d84da52d6a5fb5d02af6

डेयरी फार्मिंग पर पांच दिनी प्रशिक्षण का समापन

संस, जागरण • पूसा : कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली में 5 दिनों से चल रहे डेयरी फार्मिंग पर चल रहा प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हो गया। मौके पर केंद्र के वरीय विज्ञानी डा. आरके तिवारी के द्वारा पशुओं में भोजन प्रबंधन तथा पशुपालन की शुरुआत कैसे करें इसकी जानकारी दी गई। डा. वी के गोंड के द्वारा पशुओं के आवास व्यवस्था तथा पशुओं में क्रीमी नाशक का प्रयोग तथा टीकाकरण प्रणाली पर जानकारी दी गई। डा. प्रदीप कुमार ने पशुओं में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों एवं उसका निदान करने एवं साल भर हम कैसे चारा उत्पादन करें इसकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन सेवानिवृत पशु चिकित्सा पदाधिकारी डा. विजय कुमार ने सरकार की योजनाओं एवं पशुपालन में आने वाले छोटी से छोटी समस्याओं तथा उसका निदान की जानकारी दी। 80 से ज्यादा प्रशिक्षनार्थियों ने भाग लिया। इसके साथ ही साथ कृषि विज्ञान केंद्र में उपलब्ध बहू वर्षीय चारा प्रदर्शन इकाई अजोला की इकाई का भ्रमण भी कराया गया। तथा उसका कैसे अधिक से अधिक उपयोग कर सके इसकी भी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण मैं शामिल प्रशिक्षणार्थी एवं वैज्ञानिक • जागरण

Dainik Jagran 26-07-2025

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 31 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने का अनुमान है। हालांकि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
26 जुलाई	37.0	27.0
27 जुलाई	37.8	27.0
दरभंगा		
26 जुलाई	38.0	28.0
27 जुलाई	38.0	28.5
पटना		
26 जुलाई	40.0	39.0
27 जुलाई	40.0	39.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 26-07-2025

बेहतर प्रबंधन से करें डेयरी फार्मिंग

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के प्रमुख डॉ. आरके तिवारी ने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता उसके कार्यरूप देने पर निर्भर है। सरकार का प्रयास कृषि से जुड़े कार्यों के विस्तार के साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देना है।

इस तरह का प्रशिक्षण उसी का हिस्सा है। जरूरत है प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का शत प्रतिशत उपयोग कर जमीन पर उतारने की। इसमें केन्द्र हरसंभव सहयोग को लेकर प्रयासरत है। वे शुक्रवार को केन्द्र में डेयरी फार्मिंग पर जारी 5 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने बेहतर प्रबंधन कर डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने पर बल दिया। पशु चिकित्सक डॉ. विजय कुमार ने सरकार की योजनाओं से अवगत कराते हुए कहा कि डेयरी फार्मिंग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। जरूरत है उसके समुचित प्रबंधन कर व्यवसायिक रूप देने की। इसमें इस तरह का प्रशिक्षण काफी लाभकारी साबित होगा। इस दौरान प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र वितरित की गई। मौके पर एसएमएस वर्षा कुमारी समेत अन्य मौजूद थे।

पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली में प्रमाणपत्र के साथ केन्द्र प्रमुख, चिकित्सक।

Hindustan 26-7-25

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा उठाएं पशुपालक : डॉ विजय कुमार

समस्तीपुर (एसएनबी)। पशुपालन आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में बेहद उपयोगी है। खास कर पशुपालन में तकनीक का उपयोग कर पशुपालन को अपेक्षाकृत अधिक लाभाकारी बनाया जा सकता है। .षि विज्ञान केंद्र बिरौली के द्वारा ग्रामीण युवक और युवतियो के लिए आयोजित पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबाधित करते हुए केविके बिरौली के अध्यक्ष सह वरीय वैज्ञानिक डॉ आरके तिवारी ने उक्त बातें कही। पशुपालन के क्षेत्र में युवाओं केलिए व्यापक संभावनायें हैं। युवाओं को पशुपालन के क्षेत्र में आकर्षित व प्रोत्साहित करने केलिए बिहार व केन्द्र सरकारों ने कई योजनाये आरंभ की है। बताते चलें कि .षि विज्ञान केंद्र बिरौली के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग

प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिक व अन्य।

विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। केविके से मिली जानकारी के मुताबिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन पशु पालन में भोजन प्रबंधन तथा पशुपालन की शुरुआत कैसे करें आदि की जानकारी दी। दूसरे दिन डॉक्टर वीके गोंड ने पशुओं के आवास व्यवस्था तथा पशुओं में कृमी नाशक का प्रयोग तथा टीकाकरण प्रणाली आदि की जानकारी दी। तीसरे दिन डॉक्टर प्रदीप कुमार ने पशुओं में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों एवं उसका निदान की विस्तृत जानकारी दी। चौथे दिन डॉक्टर नंद ने चारा उत्पादन तथा साल भर चारा भंडारन तकनीक आदि की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन सेवा निवृत पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विजय कुमार ने सरकार की योजनाओं एवं पशुपालन में आने वाले छोटी से छोटी समस्याओं तथा उसका निदान की जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 से ज्यादा प्रशासनार्थियों ने हिस्सा लिया। साथ ही .षि विज्ञान केंद्र में उपलब्ध बहू वर्षीय चारा प्रदर्शन इकाई अजोला की इकाई का भ्रमण भी कराया गया तथा उसका कैसे अधिक से अधिक उपयोग कर सके इसकी भी जानकारी दी गई। इस दौरान प्रत्येक दिन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पशुपालकों के शंकाओं का भी समुचित समाधान किया गया। अंत में सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर समारोह का समापन किया गया।

Rashtriya Sahara 26-07-2025

केंद्रीय विद्यालय पूसा में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

केवी में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता पर भाषण देती छात्रा.

प्रतिनिधि,पूसा

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय पूसा के सभागार में कक्षा 1 से लेकर 5वीं तक बच्चों के लिए शनिवार को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गयी. इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. संचालन शिक्षिका सोनी काजल ने किया. छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सुंदर फैंसी ड्रेस की प्रस्तुति दी. फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने डॉक्टर, आर्मी जवान, पुलिस जवान, झांसी की रानी, पद्मावती, चंद्रशेखर आजाद, किसान, इंजीनियर, पड़ी, शिक्षक, आर्टिस्ट, राधा कृष्ण, मिस इंडिया, डांसर, स्वतंत्रता सेनानी, पीएम मोदी, सरदार पटेल और भीम राव अंबेडकर आदि से जुड़े कपड़ों को पहनकर उनकी भूमिका निभाते हुए अपने करियर और संबंधित विषयों में अन्य बच्चों व शिक्षकों को संबोधित किया. कक्षा 4 की छात्रा नव्या ने कहा कि वह बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती है. खासकर गरीब व असहाय मरीजों का फ्री में इलाज कर मानवता का पालन करना चाहती है. प्राचार्य टीएन ठाकुर ने कहा कि विद्यालय में इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों का चहुंमुखी विकास होता है. प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए चयनित किया गया. चयनित बच्चों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिया जायेगा. मौके पर शिक्षिका प्रियंका कुमारी, शिक्षक रमन कुमार आदि मौजूद थे.

प्रभात खबर
Sunday, July 27, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/68852c14b78a03aabb12a6ee

कृषि • छोटे उपकरणों व यंत्रों द्वारा आय सृजन विषय पर महिलाओं को प्रशिक्षण

साइकिल वीडर व ग्रवर बेहतर खरपतवारनाशी यंत्र इससे सब्जी की खेती में लागत व समय की बचत

27/7/25 भास्कर न्यूज | पूसा पेज 15

कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली द्वारा अनुसूचित जाति उप परियोजना के तहत चयनित गांव बलहा पंचायत के गोराई गांव में किसानों के लिए छोटे उपकरणों एवं यंत्रों द्वारा आय सृजन करने के विषय पर चल रहा चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़ी खासकर कृषि में लगी महिला किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन के दिन महिला किसानों को छोटे कृषि उपकरणों एवं यंत्र जैसे निकोनी हेतु साइकिल वीडर, ग्रवर, पावर वीडर, मक्का बुवाई हेतु रोटरी डिबलर, वर्टिकल डिबलर, ट्यूबलर मक्का सेलर ओकरा हार्वेस्टर, सोलर ड्रायर एवं अन्य यंत्रों के बारे में जानकारी दी गई। केवीके के हेड डॉ. आरके तिवारी व विषय वस्तु विशेषज्ञ विनीता कश्यप ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा द्वारा विकसित किये गए भिंडी तुराई यंत्र के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक व विशेषज्ञों ने किसानों को इस यंत्र का भिंडी के खेत में प्रत्यक्षण करके भी दिखाया। सभी महिला किसानों ने इस यंत्र को स्वयं चलाकर इसकी दक्षता को देखा। समापन के दिन कृषि वैज्ञानिक व विशेषज्ञों ने साइकिल वीडर, ग्रबर आदि को खेत में चलाकर इसके परफॉर्मेंस के बारे में महिला किसानों को बताया। विषय वस्तु विशेषज्ञ विनीता कश्यप ने यह भी बताया कि साइकिल वीडर, ग्रबर आदि जैसे खरपतवारनाशी यंत्र खासकर सब्जी उत्पादक किसानों के लिए काफी उपयोगी है। रोटरी डिबलर द्वारा सिर्फ मक्का ही नहीं बल्कि राजमा, चना, मटर, बकला आदि में भी सहायक है।

महिला किसानों को साइकिल वीडर के बारे में जानकारी देतीं विनीता कश्यप।

महिलाएं खुरपी को छोड़ कृषि यंत्र को अपनाएं

कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. आरके तिवारी ने कहा कि महिला कृषक ग्रामीण स्तर पर छोटे कृषि यंत्र बैंक खोलकर गांव की अन्य महिला कृषकों को इसका लाभ पहुंचाते हुए कृषि मशीनीकरण को भी बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने कहा कि मौसम के इस बदलते परिवेश में अब जरूरी है कि खेती में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाएं खुरपी को छोड़कर उन्नत कृषि यंत्र को अपनाएं। इन यंत्रों के उपयोग से महिला कृषक कृषि की दक्षता को बढ़ा सकती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम सत्र में डॉ. तिवारी ने सभी कृषकों को प्रमाण पत्र देकर उन्हें कृषि में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 31 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने का अनुमान है। हालांकि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
27 जुलाई	37.0	27.0
28 जुलाई	37.8	27.0
दरभंगा		
27 जुलाई	38.0	28.0
28 जुलाई	38.0	28.5
पटना		
27 जुलाई	40.0	39.0
28 जुलाई	40.0	39.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 27-07-2025

आसमान में छाए रहे बादल, नहीं हुई बारिश

जागरण संवाददाता, समस्तीपुर : जिले में इन दिनों मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। कब धूप खिलेगी और कब बादल छा जाएंगे, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। शुक्रवार को जहां दिन भर तेज धूप रही, वहीं शाम होते-होते मौसम ने करवट ली और आसमान में बादलों का डेरा जम गया। जिले के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई, जिससे मौसम कुछ हद तक सुहावना हो गया। हालांकि शनिवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन एक बूंद भी बारिश नहीं हुई। उमस और नमी से लोग बेहाल नजर आए। कई लोगों को उम्मीद थी कि बादल बरसेंगे और गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन मौसम ने निराश कर दिया। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मौसम में फिर से बदलाव की संभावना है। किसानों की नजर भी अब आसमान की ओर टिकी है, क्योंकि खेती के लिए बारिश जरूरी है। शहरवासियों ने उम्मीद

आसमान में छाए बादल • जागरण

जताई है कि आने वाले दिनों में मौसम अपना रुख बदलेगा और अच्छी बारिश होगी जिससे गर्मी से राहत मिल सकेगी। मौसम में उतार-चढ़ाव के बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से सावधानी बरतने की सलाह दी है। स्थानीय चिकित्सक डा. शशि कुमार के अनुसार, अस्थिर मौसम में अचानक से तापमान में गिरावट या वृद्धि के कारण आमतौर पर सिरदर्द, थकान और सांस संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस समय अधिक पानी पीना, हल्के और आरामदायक कपड़े पहनना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सलाह दी है कि बुजुर्गों तथा पहले से ही बीमार लोग मौसम के अनिश्चित रुख को देखते हुए अत्यधिक सावधानी बरतें और यदि कोई असामान्य लक्षण महसूस हों तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

Dainik Jagran 27-07-2025

मंडे पॉजिटिव बाजारों में केले के चिप्स और कुरकुरे की हमेशा मांग बनी रहती है, कीमत भी अच्छी

केले से कुरकुरे और चिप्स बना कर कम लागत में अपनी आमदनी दोगुनी कर सकते हैं किसान : कृषि वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज | पूसा

केला उत्पादक किसान केले की खेती करने के अलावे केले से कुरकुरे और चिप्स बनाने का व्यवसाय शुरू कर अपनी आमदनी को दोगुना कर सकते हैं। केले के चिप्स और कुरकुरे काफी स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं, जिस वजह से इसकी मांग हमेशा बाजारों में बनी रहती है। ये बातें डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के हेड सह अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. संजय कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना के तहत मौजूदा समय में कुल 74 किस्मों के केलों की खेती की जा रही है। इनमें से कुछ प्रजातियां ऐसी है जिन्हें लोग पका कर खाते है जबकि कुछ प्रजाति ऐसी है जिनका इस्तेमाल लोग सब्जी के रूप में करते है। उन्होंने बताया कि सब्जी वाले केले से चिप्स और कुरकुरे बनाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि केले के चिप्स और कुरकुरे बनाने को लेकर किए प्रारंभिक प्रयोग में इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। केले के चिप्स और कुरकुरे एक रोचक डीप फ्राइड स्नैक रेसिपी है जो हरे और कच्चे केलों से बनाई जाती है। उन्होंने बताया कि यह स्नैक रेसिपी दक्षिण भारत में काफी मशहूर है और इसे खासकर शाम के स्नैक या फिर डेजर्ट के साथ परोसने के लिए बनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इसे बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सिर्फ कच्चे केले और इसे डीप फ्राई करने के लिए तेल और स्वाद के लिए नमक की ही जरूरत पड़ती हैं।

केले से बनाएं गए चिप्स।

ऐसे बनाएं केले से चिप्स और कुरकुरे

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान सबसे पहले कच्चे केले का छिलका हटाने के बाद उसे मध्यम आकार के स्लाइस में काट लें। फिर इन्हें एक बड़े कटोरे में डालकर उसमें एक चम्मच नमक और आधा चम्मच हल्दी मिला दें। इसके बाद इसमें 4 कप पानी डालकर इसे अच्छे से मिलाएं। हल्दी मिलाने से चिप्स गहरे पीले रंग के हो जाते हैं। अब पानी को पूरी तरह निकाल दें तथा इसे गर्म रिफाइंड के तेल में डीप फ्राई करें। ध्यान रखें कि चिप्स अच्छे से बिना एक दूसरे से चिपके हुए तेल में डाली जाएं। समय समय पर इसे चलाते रहे और मध्यम आंच पर फ्राई करें। इन्हें 10-12 मिनट तक या कुरकुरा होने तक फ्राई करें और ध्यान रखें कि ये जल न जाएं। अब इन्हें टिश्यू पेपर पर निकाल लें ताकि पेपर अतिरिक्त तेल को सोख ले। अंत में तैयार चिप्स को एयरटाइट कंटेनर या वायुरोधी बर्तन में भर कर उसे एक महीने तक सुरक्षित रख दें। केले को काटने के बाद ज्यादा देर न रखें अन्यथा इसका रंग काला हो जाएगा। इन्हें गर्म तेल में डीप फ्राई करें और आंच को मध्यम रखें ताकि ये एक समान रूप से पक सकें। चिप्स का रंग पूरी तरह से प्रयोग किये गए कच्चे केले पर निर्भर करता है। चिप्स मीडियम स्लाइस में कटे हुए हों तो ज्यादा अच्छे लगते हैं।

Dainik Bhaskar 28-07-2025

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 31 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने का अनुमान है। हालांकि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
28 जुलाई	37.0	27.0
29 जुलाई	37.8	27.0
	दरभंगा	
28 जुलाई	38.0	28.0
29 जुलाई	38.0	28.5
	पटना	
28 जुलाई	40.0	39.0
29 जुलाई	40.0	39.0

डिग्री सेल्सियस में

दैनिक जागरण 28/7/25 पेज 5

फार्म संयंत्रों का उपयोग कृषि कार्यों में सुगमता को महत्वपूर्ण

प्रतिनिधि,पूसा

डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के सभागार में छोटे फार्म संयंत्र से कृषि कार्य में सुगमता एवं आय सृजन विषय चल रहे प्रशिक्षण संपन्न हुआ. इसमें महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भागीदारी ली. अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक सह केंद्र प्रमुख डा आरके तिवारी ने कहा कि छोटे-छोटे फार्म संयंत्रों का उपयोग कृषि कार्यों में सुगमता और आय सृजन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. ये संयंत्र न केवल उत्पादन लागत को कम करते हैं बल्कि उत्पादकता और आय बढ़ाने में भी मदद करते हैं. छोटे फार्म संयंत्र में छोटे ट्रैक्टर, थ्रेशर, और सिंचाई पंप,

प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी .

श्रम की आवश्यकता को कम करते हैं. इससे किसानों को कम समय और मेहनत में अधिक काम करने में मदद मिलती है. आधुनिक कृषि मशीनरी का उपयोग करके, किसान फसलों की बुवाई, कटाई और प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों को जल्दी और कुशलता से पूरा कर सकते हैं.

छोटे फार्म संयंत्रों के उपयोग से किसान अपनी फसलों का बेहतर प्रबंधन कर सकते हैं. छोटे फार्म संयंत्र में सिंचाई पंप और स्प्रिंकलर, किसानों को सूखे और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले जोखिम को कम करने में मदद करते हैं. छोटे फार्म संयंत्रों का उपयोग करके, किसान अपनी फसलों की पैदावार बढ़ा सकते हैं. इससे उनकी आय में वृद्धि होती है. छोटे फार्म संयंत्रों के उपयोग से किसान अपनी उत्पादन लागत को कम कर सकते हैं, जिससे उनका मुनाफा बढ़ जाता है. छोटे फार्म संयंत्रों का उपयोग करके किसान विभिन्न प्रकार की फसलें उगा सकते हैं. जिससे उनकी आय में विविधता आती है. छोटे फार्म संयंत्रों का उपयोग करके, किसान अपनी आजीविका में सुधार कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं. मौके पर केंद्र से जुड़े वैज्ञानिक एवं कर्मी मौजूद थे.

Prabhat Khabara 28-07-2025

किसानों को जागरूक कर रहा कृषि ज्ञान वाहन, खेती में मिलेगा फायदा

प्रतिनिधि,पूसा

गांव-गांव में तकनीकी क्रांति के मकसद को पूरा करने के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के माध्यम से संचालित कृषि ज्ञान वाहन ने अपना रंग रूप किसानों के दरवाजे पर पहुंच कर बिखेरना शुरू कर दिया है. इसी करी में कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वैज्ञानिकों के सौजन्य से आयोजित कृषि यांत्रिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत

कृषि तकनीक से लाभ लेते किसान .

गोराई गांव के महिला किसानों को लघु कृषि यंत्रों के उपयोग और लाभ से अवगत कराया. इस वाहन के माध्यम से किसानों को वीडियो फिल्मों, तकनीकी बुलेटिनों और संवादात्मक डिजिटल सामग्री के जरिए बताया गया कि कैसे छोटे कृषि यंत्रों में पावर वीडर, सीड ड्रिल, हैंड स्प्रेयर, मिनी थ्रेशर की सहायता से कम लागत में समय और श्रम की बचत के साथ उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है. किसानों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए इन यंत्रों को नजदीक से देखा. उनके कार्यप्रणाली को समझा. सवालों के माध्यम से अपने शंकाओं का समाधान किया. यांत्रिक तकनीकों ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए कृषि कार्य को सहज, सुरक्षित और व्यावसायिक रूप से लाभकारी बनाने में रुचि पैदा की. वैज्ञानिक डा बिनीता सतपथी का कहना है कि कृषि ज्ञान वाहन इस दिशा में कार्य कर रहा है जो कृषि यांत्रिकी को गांवों में प्रवेश योग्य व व्यावहारिक बना रहा है. इसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक उपकरणों की जानकारी देकर कम लागत, अधिक लाभ के सिद्धांत को व्यवहार में लाना है.

Prabhat Khabara 28-07-2025

29/7/25 पेज 16

कृषि • पिछले कुछ वर्षों से अमरूद के फल में लगने वाला यह रोग अमरूद उत्पादक किसानों को पहुंचा रहा भारी नुकसान

वर्षा के कारण अमरूद पर एन्थ्रेक्नोज रोग का प्रकोप

सचिन भारद्वाज | पूसा

बरसात के मौसम यानी जुलाई, अगस्त व सितंबर के महीने में अमरूद में एन्थ्रक्नोज जैसे खतरनाक रोग के लगने की संभावना काफी अधिक रहती हैं। पिछले कुछ वर्षों से अमरूद में लगने वाला यह रोग खासकर बिहार के अमरूद उत्पादक किसानों को काफी नुकसान पहुंचा रहा है। अमरूद उत्पादक किसान वैज्ञानिक तकनीक से इस रोग का प्रबंधन कर अमरूद से स्वस्थ्य फल प्राप्त कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी पूसा के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट पैथोलॉजी एवं नेमेटोलॉजी के प्रोफेसर सह विभागाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. संजय कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने कहा कि जुलाई व अगस्त के महीने में अमरुद के फल में एन्थ्रक्नोज रोग का प्रकोप दिखाई देने लगता है।

एन्थ्रक्नोज रोग से संक्रमित फल।

इस रोग के कारण अमरूद के पेड़ की डालियों के अंत में जो छोटी और कोमल नवजात पत्तियां होती है। उस पर काले या चॉकलेट रंग के अनियमित आकार के धब्बे बन जाते है साथ ही पत्तियां भी पीली हो जाती है। बाद में पत्तियां कमजोर होकर गिर जाती है। पत्तियों पर धब्बें बनने से आस पास की पत्तिया भी काली भूरे रंग की हो जाती हैं और ऊपर की टहनियां काली पड़ जाती है। इस वजह से नई कलियां फूल बनने से पहले ही कमजोर होकर गिर जाती है। अगर इनका समय पर इलाज न करे तो यह सूख कर गिर जाती है और धीरे धीरे पहले पूरी डाली सूख जाती है। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि इतना ही नही इस रोग के कारण फलों के ऊपर छोटे छोटे काले धब्बें दिखाई पड़ते है जो धसे होते है और फल अंदर से सड़ जाते हैं। छोटी बिना खिली कलियाँ और फूल भी इस रोग के कारण समय से पहले ही सूख कर गिर जाती है। यह एक फफूंदजनित रोग है जो कोलेटोट्राईकम नामक फफूंद की वजह से होता है। इस रोग का फफूंद वसंत ऋतु में जब मौसम ठंडा और नमीयुक्त होता है। मुख्य रूप से पौधों की पत्तियों और टहनियों पर सर्वप्रथम उसी दौरान हमला करता है। बारिश के मौसम (जुलाई व अगस्त-सितंबर) में इसका प्रकोप सर्वाधिक होता है। इस मौसम में लगातार नमी बने रहने के कारण रोग की उग्रता में भारी वृद्धि हो जाती है। एन्थ्रेक्नोज रोग का अगर समय पर इलाज न किया गया तो अमरूद की मोटी टहनियां भी सूखने लगती है।

कवकनाशी से इस रोग का करें प्रबंधन स्टीकर मिलाकर पेड़ पर करें छिड़काव

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि अगर अमरूद का पेड़ एन्थ्रेक्नोज रोग से गंभीर रूप से प्रभावित है तो किसान अंतिम उपाय के रूप में कवकनाशी का उपयोग करने पर विचार करें। कॉपर-आधारित या प्रणालीगत कवकनाशी जैसे सक्रिय तत्व वाले कवकनाशी रोग के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हेक्साकोनाजोल या प्रोपिकोनाजोल प्रणालीगत (सिस्टमिक) फफूंदनाशी दवाई की 2 एमएल मात्रा को प्रति लीटर पानी के साथ घोलकर उसमें आधा एमएल प्रति लीटर पानी के अनुसार स्टीकर मिलाकर पेड़ पर दो छिड़काव करें। पहला छिड़काव फूल आने के 15 दिन पहले एवं दूसरा छिड़काव पेड़ में पूरी तरह से फल लग जाने के बाद करें। इससे रोग की उग्रता में भारी कमी आती है। अमरूद के पौधों पर 25 जून के आसपास इन दवाओं का स्प्रे करने से यह बरसात के मौसम में इस रोग से बचाव करता है।

अमरूद में लगने वाले एन्थ्रेक्नोज रोग को प्रबंधित करने के ये उपाय भी कारगर

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि अमरूद एन्थ्रेक्नोज के प्रबंधन में निवारक उपायों और उपचार रणनीतियों का संयोजन शामिल है। एन्थ्रेक्नोज एक कवक रोग है जो कोलेटोट्राइकम ग्लियोस्पोरियोइड्स के कारण होता है। यह रोग पत्तियों, तनों और फलों सहित अमरूद के पेड़ के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। अमरूद एन्थ्रेक्नोज को प्रबंधित करने के लिए अमरूद उत्पादकों को अमरूद के पेड़ के आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखना चाहिए। कवक के प्रसार को कम करने के लिए प्रत्येक गिरे हुए पत्तियों, फलों या संक्रमित पौधे के सामग्री को जमीन से हटाकर दूर मिट्टी में डंप कर देना चाहिए। वायु परिसंचरण और सूर्य के प्रकाश के प्रवेश को बेहतर बनाने के लिए अमरूद के पेड़ की नियमित रूप से छंटाई करें। जरूरत के अनुसार पेड़ के आधार के आसपास की मिट्टी को सिंचने के उद्देश्य से पानी दें।

अमरूद की पत्तियों पर रोग के लक्ष्य दिखाई देने के साथ ही रोकथाम के उपाए करें

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि जब यह रोग अमरूद के पत्तियों पर ही दिखाई देने लगे ठीक उसी अवस्था में इसका इलाज करने से अमरूद उत्पादकों को आशातीत लाभ मिलता है। जब यह रोग फलों को भी प्रभावित करने लगे तो इसका मतलब की इस रोग का समय से रोकथाम नही किया गया। एक बार यह रोग अमरूद के फलों पर लग जाने के बाद बागवान को भारी नुकसान पहुँचाता है। इस रोग से संक्रमित फल बुरी तरह सड़कर खराब हो जाते है तथा इस कारण वह बाजार में बिकने लायक ही नही रहते है। पेड़ की उम्र के अनुसार समय समय पर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें।

P.T.O

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 31 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में ज्यादातर स्थानों पर कम वर्षा या लगभग शुष्क स्थिति बरकरार रहने का अनुमान है। हालांकि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
29 जुलाई	37.0	27.0
30 जुलाई	37.8	27.0
	दरभंगा	
29 जुलाई	38.0	28.0
30 जुलाई	38.0	28.5
	पटना	
29 जुलाई	40.0	39.0
30 जुलाई	40.0	39.0

डिग्री सेल्सियस में

3 अगस्त तक उत्तर बिहार में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के आसार

प्रतिनिधि,समस्तीपुर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केन्द्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 30 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है. इस अवधि में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है. न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्रीसेल्सियस के आसपास रह सकता है. सापेक्ष आद्रर्ता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है.

पूर्वानुमानित अवधि में अगले दो दिनों तक औसतन 8 से 15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है. आज का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस रहा,जो सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम रहा.

प्रभात खबर
Wednesday, July 30, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/688919788ebc0f69b0b68...

मौसम • दो दिनों तक औसतन 8 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान

उत्तर बिहार के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना, बिजली गिरने को लेकर किया गया अलर्ट

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की सम्भावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। वहीं सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है। डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय मौसम विभाग, पूसा के वैज्ञानिक के अनुसार पूर्वानुमानित अवधि में अगले दो दिनों तक औसतन 8 से 15 कि.मी. प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है। विगत पूर्वानुमान की अवधी में उतर बिहार में अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई कृषक बंधु यथाशीघ्र समाप्त करने का प्रयास करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जांच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जांच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।

बारिश में जाती छात्राएं।

धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए किसान करें दवा का छिड़काव

धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दया प्रति हेक्टर) का 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थति रहनी चाहिए। धान की फसल जो 20-25 दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात बोई गई धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। खरीफ मक्का की फसल में कीट-व्याधियों एवं फफूंदी धब्बों की निगरानी करतें रहें।

उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की सम्भावना है। -डॉ. ए. सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्दीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 3 अगस्त तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की या मध्यम वर्षा के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने का अनुमान है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सजबकि न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
30 जुलाई	32.2	25.0
31 जुलाई	33.8	25.0
दरभंगा		
30 जुलाई	33.8	25.0
31 जुलाई	33.8	26.0
पटना		
30 जुलाई	36.0	28.0
31 जुलाई	36.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik jagran 30-7-2025

हल्की से मध्यम वर्षा के साथ ठनका गिरने की संभावना

पूसा, निज संवाददाता। छिटपुट हो रही वर्षा से मौसम सुहाना हो गया है। वहीं किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार आगे भी वर्षा की संभावना बनी हुई है। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने मंगलवार को 3 अगस्त तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है।

जिसके अनुसार इस अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इस दौरान कहीं कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इस अवधि में अगले दो दिनों तक औसतन 8 से 15 किमी प्रति घंटा की गति से पुरवा एवं उसके बाद पछुआ हवा चलने का अनुमान है। पूर्वानुमान की अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 एवं दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री एवं न्यूनतम 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

Hindustan 30-7-2025

कृषि • सब्जी उत्पादक किसान वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर बीमारियों को कर सकते हैं रोकथाम

बरसात के मौसम में सब्जियों की फसल पर आद्रपतन, श्यामवर्ण, चारकोल विगलन, मोजेक रोगों का प्रकोप

31/7/25 भास्कर न्यूज | पूसा पेज 15

बरसात के मौसम में सेम, लोबिया, परवल, नेनुआ, बैंगन, कद्दू, भिंडी, टमाटर, करेला आदि जैसे विभिन्न प्रकार के फलदार सब्जियों पर कई तरह के रोगों का संक्रमण काफी अधिक बढ़ जाता है। किसान वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर सब्जियों में विभिन्न तरह के रोगों का प्रबंधन करते हुए सब्जियों की फसल से बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। ये बातें डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के पादप रोग विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं विवि के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. दिनेश राय ने कही। उन्होंने कहा कि सब्जियों के फसल पर बरसात के दिनों में आद्रपतन, श्यामवर्ण, किट्ट, चारकोल विगलन, जीवाणुज अंगमारी, मोजेक आदि जैसे दर्जनों तरह की बीमारियों के पनपने की संभावना बनी रहती है। इसलिए किसानों को इन तमाम तरह की बीमारियों से अपने सब्जियों के फसल को बचाने के लिए

बीमारियों की पहचान और उसके उपचार के बारे में निश्चित रूप से पता होना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि आद्रपतन, श्यामवर्ण आदि जैसे खतरनाक बीमारियों से फसल को बचाने के लिए किसानों को हमेशा स्वस्थ एवं प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने के अलावे उपचारित बीजों का ही प्रयोग करना चाहिए। किसान अपने सब्जियों के खेतों में हमेशा साफ-सफाई बनाए रखने के अलावे आसपास की गंदगियों को भी जलाकर अक्सर नष्ट कर दिया करें। उन्होंने कहा कि खेतों में जलजमाव न हो इसके लिए किसान जलनिकास की उचित व्यवस्था बनाएं रखे।

खेतों की मिट्टी का उपचार भी समय समय पर कैप्टान दवा से करें, फसलों में कम लगेंगे रोग और कीट

किसान सब्जियों से बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सके इसके लिए वे प्रतिवर्ष खेतों में प्रति हेक्टेयर की दर से सौ किलोग्राम नीम की खल्ली का प्रयोग जरूर करें। इसके अलावे किसान खेतों की मिट्टी का उपचार भी समय समय पर कैप्टान नामक दवाई से करते रहें। उन्होंने बताया कि मिट्टी में ट्राइकोडरमा 5 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाने पर फसलो में लगने वाले मृदा जनित रोगों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वैसे किसान जिनके सब्जियों के खेतों में आद्र पतन व श्याम वर्ण रोग के लक्षण दिखाई दे रहे हो उसमें किसान कार्बेंडाजिम नामक दवाई का 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर 12 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। इससे बीमारी को अविलंब काबू में लाया जा सकता है। इसके अलावे उन्होंने बताया कि जीवाणु अंगमारी से सब्जियों के फसल को बचाने के लिए किसान स्टेप्टोसाईक्लिन नामक दवाई का सौ मिलीग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के साथ घोलकर 10 से 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि किसान सब्जियों के खेतों में विषाणु से ग्रसित पौधों को देखते ही उसे उखाड़ कर जलाते हुए नष्ट कर दें। उन्होंने बताया कि वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए किसान डाइमेथोएट दवा का छिडकाव करें।

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 3 अगस्त तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की या मध्यम वर्षा के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने का अनुमान है। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सजबकि न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
31 जुलाई	32.2	25.0
1 अगस्त	33.8	25.0
	दरभंगा	
31 जुलाई	33.8	25.0
1 अगस्त	33.8	26.0
	पटना	
31 जुलाई	36.0	28.0
1 अगस्त	36.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 31-07-2025

जिले में सूखे पड़े ताल तलैया, भूमिगत जलस्तर खिसक रहा नीचे

जिले में जून और जुलाई में औसत से 75.5 प्रतिशत हुई कम बारिश

सुखाड़ की दस्तक

- मानसून रेखा दक्षिण की ओर शिफ्ट कर गया, 17-18 जुलाई के बाद बारिश की संभावना

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

मानसून की दगाबाजी के कारण जिला सूखाड़ की राह पर है.जून व जुलाई में अबतक औसत से 75.5 प्रतिशत कम बारिश हुई है.जून में औसत से 69 प्रतिशत कम बारिश हुई है. जून में औसत वर्षापात 153.8 मिली की जगह महज 47 मिमी बारिश हुई है. जो औसत से 106 मिमी कम है. इसी तरह जुलाई में अबतक औसत से 82 प्रतिशत कम बारिश हुई है. जुलाई में औसतन 286.7 मिमी बारिश होनी चाहिये. लेकिन अबतक औसत वर्षा महज 15. मिमी हुई है. हालांकि कि मई में वर्षा की स्थिति सामान्य रही. मई में औसत बारिश 41.3 मिमी की जगह 41.5 मिमी बारिश हुई. अप्रैल में औसत वर्षापात 12.9 मिमी की जगह 39.9 मिमी बारिश हुई. वहीं मार्च में औसत से 99 प्रतिशत कम बारिश हुई. मार्च में औसत वर्षा 8.7 मिमी की जगह महज 0.1 मिमी बारिश हुई.

> मानसून रेखा दक्षिण की ओर शिफ्ट कर गया है. इस कारण मानसून कमजोर पड़ा हुआ है. कमजोर मानसून के कारण बारिश नहीं हो रही है. 17-18 जुलाई के बाद बारिश की संभावना है. हालांकि जुलाई में औसत से 40 प्रतिशत कम बारिश की संभावना है. बंगाल की खाड़ी में बन रहे दबाव के कारण झारखंड, बंगाल और मध्य प्रदेश में अच्छी बारिश हो रही है.
>
> डॉ. ए सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

सूखे पड़े हैं ताल-तलैया : जिले में बारिश की खराब की स्थिति के कारण ताल-तलैया सभी सूखे पड़े हैं. जलाशयों में पानी नहीं रहने के कारण पशु पक्षियों को भी परेशानी हो रही है. वहीं भूमिगत जल का लेयर भी लगातार नीचे खिसक रहा है. जिले में वर्ष 2020 और 2021 को छोड़ दें तो लगातार औसत से कम बारिश हो रही है. बारिश की स्थिति वर्ष 2008 से खराब होने लगी थी. तब से लगातार औसत से 50 से 60 प्रतिशत कम बारिश होती रही. बीच लॉकडाउन के समय 2020 और 2021 में बहुत अच्छी बारिश हुई थी. लेकिन उसके बाद स्थिति ठीक नहीं रही. नतीजा है कि जलाशय भी सूखे पड़े हैं. जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जिले में वर्षा जल संचयन को लेकर कई योजना चलायी गयी. 1043 नये जल स्रोत का निर्माण कराया गया. पांच चेक डैम बनाये गये. सरकारी भवनों पर वर्षा जल संचयन सिस्टम बनाये गये, सरकारी कुओं व चापाकलों के पास सोख्ता का निर्माण कराया गया. लेकिन वर्षा नहीं होने के कारण जलाशयों में जल संचयन नहीं हो पा रहा है.

प्रभात खबर
Friday, July 11, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6870102d9989ae605e3fcd79

नाभिकीय बीज का आनुवांशिकी और भौतिक शुद्धता सौ प्रतिशत

पूसा. ईख अनुसंधान संस्थान के प्रक्षेत्र में छात्र-छात्राओं को गन्ना के बीज उत्पादन की तकनीकी ज्ञान से लैस किया जा रहा है. डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के ईख प्रजनक ईख अनुसंधान संस्थान के डॉ बलवंत सिंह ने बताया कि एकल गांठ विधि प्रो ट्रे विधि, तीन गांठों वाला गन्ना के टुकड़ा सामान्य विधि तथा वर्टिकली गन्ना फसल के गांठ पर उगे पौधे से तैयार फसल छात्र-छात्रा को दिखाते हुए और प्रत्यक्षण के साथ पढ़ा रहें हैं. गन्ना उद्योग विभाग द्वारा गुड़ निर्माण के लिए विवि परिसर में सेंटर ऑफ एक्सेलेंस का निर्माण करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है. युवाओं को नगदी गन्ना फसल से जुड़े व्यवसाय जैसे गन्ना जूस, गुड़ निर्माण, मुरब्बा बनाने आदि उत्पाद बना के लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जा सकता है. सिंगल बडे पौधे प्रो ट्रे विधि से बीज उत्पादन कर गन्ना फसल की खेती का रकवा बढ़ाया जा सकता है. इंटीग्रेटेड फार्म मैनेजमेंट में गन्ना से जुड़े मॉडल को लेकर संस्थान के निदेशक डॉ देवेंद्र सिंह फसल विविधीकरण को समझें और पोषण सुरक्षा को किसान अपनाएं तो अवश्य ही बिहार में गन्ना से व्यवसाय सिर्फ चीनी ही नहीं गन्ना जूस, गुड़, मुरब्बा आदि उत्पाद तैयार किया जा सकता है.किसी भी फसल की बीज ही सुनिश्चित करती हैं अगली पीढ़ियों में कैसा परफॉर्मेंस होगा वह भी आनुवांशिक तौर से बीज मुख्यतः चार प्रकार के होते नाभिकीय बीज जो प्रजनक की देखरेख में होता है. जिसका आनुवांशिकी एवं भौतिक शुद्धता सौ प्रतिशत होती है. इससे ब्रीडर सीड यानि प्रजनक बीज तैयार की जाती है.

अभियुक्त की
करने वा

धारा 82

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि
शेख कवल पताः ग्राम दक्षिण तेलव
No. 158/2025, U/s 179/180 B
दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है
गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लि
नूर आलम उर्फ जूना मिल नहीं
कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त
उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लि

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की
179/180 BNS थानाः स्पेशल से
उर्फ जूना से अपेक्षा की जाती है
समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर दे
इससे पहले हाजिर हो।

DP/9058/Spl. Cell/2025
(Court Matter)

प्रभात खबर
Friday, July 11, 2025
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6870102d9989ae605e3

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने 14 जुलाई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में बारिश के कमजोर रहने का अनुमान है। पूर्वी व पश्चिमी चंपारण जिलों में कहीं-कहीं व अन्य जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
11 जुलाई	32.0	26.0
12 जुलाई	33.0	26.0
दरभंगा		
11 जुलाई	33.0	26.0
12 जुलाई	33.0	27.0
पटना		
11 जुलाई	35.0	28.0
12 जुलाई	35.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 11-07-2025

राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस मनाया

पूसा, निज संवाददाता। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि से जुड़े मा्स्यियकी महाविद्यालय, ढोली में गुरुवार को नीली क्रान्ति के स्तंभों को नमन करते हुए राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस मनाया गया। इस दौरान डीन डॉ.प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव ने 20 मत्स्य पालकों का स्वागत करते हुए कहा कि कुलपति डॉ पीएस पाण्डेय के मार्गदर्शन में मत्स्य पालकों का निरंतर प्रशिक्षण व तकनीकी हस्तांतरण जारी है।

गुरुवार को मत्स्य महाविद्यालय में डीन व वैज्ञानिकों के साथ मत्स्यपालक।

जिससे वे स्वरोजगार के रूप में अपनाकर आर्थिक रूप से सबल हो सके। जल कृषि विभाग के प्रधान डॉ. शिवेंद्र कुमार ने मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन के आयामों से परिचय कराया। वही वैज्ञानिक रोशन कुमार राम ने सजावटी एवं रंगीन मछलियों के पालन एवं प्रजनन के साथ ही एक्वेरियम निर्माण से मत्स्य कृषकों को रुबरू कराया। डॉ राजीव कुमार ब्रह्मचारी ने मछलियों में लगने वाले रोग एवं उनके उपचार पर प्रकाश डाला गया।डॉ तनुश्री घोड़ई ने मछलियों से बनने वाले मुल्य वर्धित उत्पाद से होने वाले लाभ की जानकारी दी। डॉ. प्रवेश कुमार ने मछलियों के प्रजनन एवं गुणवत्तापूर्ण मछली जीरा के चुनावों से अवगत कराया गया। संचालन शिक्षक राम कुमार एवं धन्यवाद वरीय वैज्ञानिक डॉ.घनश्याम नाथ झा ने किया। इस अवसर पर डीन ने मछ्ली बीज का वितरण किया।

Hindutan 11-07-2025

मानस मंदिर में होगा भस्म आरती का आयोजन

पूसा। सावन की शुरुआत हो गई है। हर हर महादेव की गूंज शुरू हो गई है। इस कड़ी में डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि परिसर स्थित महावीर मानस मंदिर में विशेष आयोजन की तैयारी जारी है। पुजारी गौतम मिश्र ने बताया 11 जुलाई से 9 अगस्त तक प्रत्येक दिन बाबा का श्रृंगार होगा। प्रत्येक सोमवार को रात 8 बजे बाबा का श्रृंगार एवं भस्म आरती की जाएगी।

Hindutan 11-07-2025

नवीनतम तकनीक का उपयोग कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं मत्स्य पालक : डॉ पीपी श्रीवास्तव

पूसा (एसएनबी)। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मात्स्यिकी महाविद्यालय, ढोली के प्रांगण में राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर नीली क्रान्ति के स्तंभों से जुड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुजफ्फरपुर व समस्तीपुर के 20 मत्स्य पालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित मत्स्यकी महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीपी श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मत्स्य पालन प्रबंधन व मूल्य संवर्धन से जुड़ी जानकारी देते हुए उन्होंने ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीएस पांडेय मत्स्य पालकों के प्रशिक्षण एवं मछली उत्पादन को बढ़ावा देने केलिए सतत प्रयत्नशील है। डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि मत्स्य पालक नवीनतम तकनीक से मछली पालन कर अपनी आय को बढा सकते है। इस दौरान जल कृषि विभाग के प्रधान डॉ. शिवेंद्र कुमार ने मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन के विभिन्न आयामों की जानकारी दी, वहीं वैज्ञानिक रौशन कुमार राम ने सजावटी एवं रंगीन मछलियों के पालन एवं प्रजनन के साथ ही एक्वेरियम निर्माण से जुड़ी आवश्यक जानकारियां साझा की। जबकि डॉ राजीव कुमार ब्रह्मचारी ने मछलियों में लगने वाले रोग एवं उनके उपचार पर विस्तृत चर्चा किया। इसी क्रम में डॉ तनुश्री घोड़ई ने मछलियों से बनने वाले मुल्य वर्धित उत्पाद से होने वाले आय की जानकारी दी। डॉ. प्रवेश कुमार ने मछलियों के प्रजनन एवं गुणवत्तापूर्ण मछली के जीरा से जुड़े जानकारी दी। वैज्ञानिक अभिलिप्सा विश्वाल ने मोती की खेती से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा किया। इस दौरान मत्स्य पालकों के बीच मछ्ली का बीचडा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन राम कुमार ने किया वही धन्यवाद ज्ञापन वरीय वैज्ञानिक डॉ. घनश्याम नाथ झा ने की। इस अवसर पर डॉ राजेश कुमार, सहित कई शिक्षक वैज्ञानिक व प्रशिक्षु उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिक व अन्य।

Rashtriya Sahara 11-07-2025